सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 96 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 18 जनवरी 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

आचार्य विद्यासागर की कृति 'मूकमाटी' के नाम पर हुआ रायपुर-जबलपुर इंटरसिटी का नामकरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

डिप्टा सीएम विजय शर्मा ने दिखाई हरी झंडी, जैन समाज में हर्ष

रायपुर। जैन समाज के महान संत आचार्य विद्यासागर जी महाराज की कालजयी कृति मूकमाटी के नाम पर केंद्र सरकार द्वारा रायपुर-जबलपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस का नामकरण 'मूकमाटी एक्सप्रेस' के रूप में किया गया है।

छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा द्वारा शनिवार को 'मूकमाटी एक्सप्रेस' को रायपुर रेलवे स्टेशन से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर डिप्टी सीएम शर्मा ने कहा कि आचार्य ने अपने तप, त्याग और विचारों से समाज को नई दिशा दी। गुरुदेव के देह त्याग का सौभाग्य छत्तीसगढ़ की पावन भूमि मां बमलेश्वरी की धरती डोंगरगढ़ को प्राप्त हुआ, जो पूरे प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि मूकमाटी एक्सप्रेस का शुभारंभ छत्तीसगढ़ की आध्यात्मिक चेतना को राष्ट्रीय पटल पर स्थापित करता है।

पीएम मोदी व गृहमंत्री अमित शाह ने भी ली प्रेरणा

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह तथा रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव भी निरंतर गुरुदेव विद्यासागर के विचारों से प्रेरणा लेते रहे हैं। छत्तीसगढ़ से इस ट्रेन का शुभारंभ होना प्रदेशवासियों के लिए आत्मगौरव का क्षण है। ट्रेन के परिचालन से पूर्व अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठाचार्य ज्योतिषाचार्य पंडित अजीत शास्त्री द्वारा मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना की गई। कार्यक्रम में राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के एडवाइजरी पैनल सदस्य प्रकाश मोदी, रायपुर वाणिज्य रेल प्रबंधक अवधेश त्रिपाठी, एसईसीआर के वरिष्ठ अधिकारी राकेश सिंह, सकल दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष विनोद जैन, नरेंद्र गुरुकृपा, डीआरयूसीसी सदस्य लोकेश चंद्रकांत जैन सहित बड़ी संख्या में जैन समाज के प्रबुद्धजन एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

खास-खबर

नाबालिग छात्रा से छेड़छाड़ आरोपी गिरफ्तार

कोरबा। जिले के दर्री थाना क्षेत्र में एक 28 वर्षीय शादीशुदा व्यक्ति ने स्कूल से घर लौट रही एक नाबालिग छात्रा के साथ छेड़छाड़ की। घटना सीएसईबी कॉलोनी के पास शाम करीब चार बजे हुई, जब आरोपी विक्की श्रीवास ने छात्रा को रोककर समय पूछने के बहाने उसके साथ अभद्रता की और गलत नियत से गाल पर कई बार चूमा। छात्रा ने खतरा भांपकर हल्ला मचाया, जिस पर आसपास के ग्रामीणों ने आरोपी को पकड़कर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही दर्री थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और आरोपी विक्की श्रीवास को गिरफ्तार कर लिया। पीड़िता के माता-पिता द्वारा शिकायत दर्ज कराने के बाद थाना दर्री में भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी को हिरासत में लेकर विधिक कार्रवाई की गई और जेल भेज दिया गया।

चीन के जासूसों के खिलाफ ताइवान ने छेड़ा अभियान

ताइपे। चीन के साथ जारी तनातनी के बीच ताइवान की सरकार ने देश में चीन के जासूसों पर नकेल कसनी शुरू कर दी है। इसी के तहत ताइवान के एक रिपोर्टर को हिरासत में लिया गया है। रिपोर्टर पर आरोप है कि उसने सेना के अधिकारियों को चीन की जासूसी करने के लिए उकसाया और उन्हें रिश्वत दी। ताइवान के कियाओटौ डिस्ट्रिक्ट प्रॉसिक्यूटर ऑफिस ने एक बयान में बताया कि एक डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने एक टेलीविजन रिपोर्टर और पांच मौजूदा और रिटायर्ड मिलिट्री अधिकारियों को हिरासत में लेने का आदेश दिया है। बयान में पत्रकार की पहचान नहीं बताई गई, लेकिन CTi TV ने अपने रिपोर्टर लिन चेन-यू की हिरासत के बारे में एक बयान जारी किया।

राजपुरा में हादसा: बस और कई गाड़ियों में टक्कर

पटियाला। पंजाब के राजपुरा में घनी धुंध की वजह से बड़ा हादसा हुआ है। रविवार सुबह राजपुरा के गांव चमारू के पास घनी धुंध और सड़क के बीच खड़े एक खराब कैंटर के कारण कई वाहनों में टक्कर हो गई। इस हादसे में पीआरटीसी बस समेत करीब 5 से 6 गाड़ियां आपस में टकरा गईं। मौके पर मौजूद लोगों के अनुसार, वहां चीख-पुकार मच गई और वाहनों के परखच्चे उड़ गए। हादसा इतना भयानक था कि बस ड्राइवर समेत लगभग 12 सवारियां गंभीर रूप से घायल हो गईं, जिनमें से एक की हालत नाजुक होने के कारण उसे पटियाला रेफर कर दिया गया है।

सुपेला संडे बाजार में अतिक्रमण पर फिर चला बुलडोजर, निगम ने हटाया सड़क से कब्जा

यातायात व्यवस्था सुधारने भिलाई निगम की कार्रवाई, पांच थानों की पुलिस रही मौजूद

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर निगम भिलाई की टीम ने रविवार को एक बार फिर सुपेला संडे मार्केट में अतिक्रमण पर कार्रवाई की। इस दौरान किसी भी विवाद की स्थिति से निपटने पांच थानों के पुलिस बल को तैनात किया गया। निगम की टीम ने 150 से अधिक दुकानों के सामने से कब्जों को हटाया। घड़ी चौक सुपेला से लेकर गदा चौक तक की दुकानों के सामने कब्जों को हटाया गया। इस दौरान पीपल पेड़ के पास शिवलिंग का चबुतरा तोड़े जाने पर विवाद की स्थित बनी।

बता दें सुपेला से गदा चौक के बीच हर रविवार को बाजार सजता है। आम दिनों की अपेक्षा रविवार को फुटकर दुकान दार सड़क तक पसरा लगा देते हैं। सुपेला संडे बाजार में आम दिनों की अपेक्षा अत्याधिक भीड़ हो जाती है और इस वजह से 100 फीट की सड़क 10 फीट की रह जाती है। समय समय पर यहां के दुकानदारों को समझाइश भी दी गई और कार्रवाईयां भी हुई। कार्रवाई का असर कुछ दिन तक दिखता और उसके बाद फिर से वही स्थिति। इस बीच लगातार जाम की शिकायतों के बीच रविवार को भिलाई निगम की टीम ने कार्रवाई की।

सुबह 6 बजे से पहुंच गई थी निगम की टीम

अतिक्रमण हटाने के लिए भिलाई निगम की टीम रविवार की सुबह 6 बजे से ही पहुंच चुकी थी। इसके बाद अवैध रूप से लगाए गए ठेले, दुकानें और अस्थायी निर्माण हटाने का काम शुरू कर दिया गया। विरोध की आशंका को देखते हुए सुपेला, छावनी, खुर्सीपार, सेक्टर-6 कोतवाली और जामुल थाने की पुलिस टीमों को तैनात किया गया है। महिला पुलिस बल भी कार्रवाई के दौरान मौजूद रही।

नियमित दुकानदारों ने किया समर्थन

सुपेला संडे मार्केट की नियमित दुकानदारों ने इस कार्रवाई को सही बताया। दुकानदारों का कहना है कि हर रविवार को उनकी दुकानों के सामने ठेला लगाकर व्यापार करते हैं। इससे सड़क जाम तो होता ही है साथ ही उनकी दुकानदारी भी खराब होती है। वहीं पसरा वालों ने कहा उन्हें पूर्व सूचना नहीं मिली।

अतिक्रमण हटाने दी गई थी सूचना

नगर निगम जोन 2 की आयुक्त ईशा लहरे ने बताया कि दुकान के बाहर किए कब्जे को हटाने की चेतावनी दी गई थी। शनिवार को निगम की टीम द्वारा सभी दुकानदारों का कहा गया कि कब्जा न करें और निश्चित जगह परी ही व्यापार करें। इसके बाद ही रविवार को निगम की टीम ने कार्रवाई की।

समझाइश के बाद कार्रवाई

एसडीएम भिलाई नगर हितेश पिस्दा का कहना है कि काफी दिनों से देखा जा रहा है घडी चौक से गदा चौक तक लगाई जाने वाली आस्थाई दुकाने सड़क तक लगा दी जाती है। इसके कारण यातायात व्यवस्था बिगड़ रही है। इसे देखते हुए पूर्व सूचना दी गई और व्हाइट लाइन के बाहर दुकानें लगाने पर कार्रवाई होगी। इसी कड़ी में रविवार को कार्रवाई की गई। वहीं सीएसपी भिलाई नगर सत्यप्रकाश तिवारी ने बताया कि लगातार शिकायतें मिल रही थी। संडे को ऐसा जाम लगता है कि एंबुलेंस भी नहीं जा पाती थी। इसे देखते हुए कार्रवाई की गई, आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

एनएच पर सुरक्षा : एनएचएआई ने ब्लैकस्पॉट्स किए दुरुस्त

■ छत्तीसगढ़ में अंडरपास और सर्विस रोड निर्माण के लिए टेंडर जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय राजमार्गों पर सड़क सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया—एनएचएआई) द्वारा चिन्हांकित ब्लैकस्पॉट्स पर सुधार कार्य किए जा रहे हैं। इसके साथ ही, अंडरपास और सर्विस रोड निर्माण से संबंधित परियोजनाओं के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली गई है और निर्माण से जुड़ी औपचारिकताएं प्रगति पर हैं।

एनएचएआई द्वारा सड़क सुरक्षा उपायों के तहत विभिन्न राष्ट्रीय राजमार्ग खंडों पर रंबल स्ट्रिप्स, क्रैश बैरियर्स, सोलर ब्लिंकर, हाई-मास्ट लाइट्स तथा मानक साइन बोर्ड्स लगाए गए हैं। ये कार्य दुर्घटना संभावित स्थलों और व्यस्त मार्गों पर किए गए हैं। यातायात व्यवस्थित करने और राष्ट्रीय राजमार्ग पार करने वाले स्थानीय आवागमन को सुव्यवस्थित करने राष्ट्रीय राजमार्ग 53 के दुर्ग से महाराष्ट्र छत्तीसगढ़ सीमा खंड पर सुंदरा, पेंड्री, चिचोला, महाराजपुर और सोमनी गांवों में लगभग 90 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से अंडरपास एवं सर्विस रोड निर्माण के लिए टेंडर जारी किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, रसमड़ा में लगभग 30 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से अंडरपास निर्माण की प्रक्रिया चल रही है। इसी प्रकार, राष्ट्रीय राजमार्ग-30 के रायपुरङ्कसिमगा खंड पर सांकरा और सिलतरा में 80 करोड़ रुपये से अधिक की अनुमानित लागत से अंडरपास निर्माण तथा चरोदा में लगभग साढ़े छह करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से बायपास क्रॉसिंग निर्माण के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है।

'जूनियर मिस इंडिया' बनी बिलासपुर की आद्या, सीजी का किया नाम रोशन

■ 25 राज्यों के 180 प्रतिभागियों के बीच जीता कॉन्टेस्ट

बिलासपुर। बिलासपुर की आद्या श्रीवास्तव ने 'जूनियर मिस इंडिया - मिस कॉन्फिडेंट' का खिताब जीतकर छत्तीसगढ़ का नाम रोशन किया है। यह प्रतियोगिता जयपुर के एक निजी होटल में आयोजित की गई थी, जिसमें देश के 25 राज्यों से 180 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। आद्या ने प्रतिष्ठित जूनियर मिस इंडिया प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने अपने वर्ग में उत्कृष्ट वाक-कौशल, नृत्य की भाव-भंगिमा, आत्मविश्वास और फैशन शो के रैंप वॉक के माध्यम से निर्णायकों और दर्शकों का दिल जीता। उनकी सशक्त प्रस्तुति और आत्मविश्वास ने उन्हें यह प्रतिष्ठित खिताब दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

खिताब जीतने पर आद्या को ब्यूटी क्वीन क्राउन, सैश, प्रमाण-पत्र और गिफ्ट हैम्पर मिला है। 3 दिनों तक चले इस आयोजन में बॉलीवुड अभिनेत्री रीवा अरोड़ा, टीवी सीरियल क्रिमिनल जस्टिस के निर्देशक-निर्माता मनीष सिंह, फैशन हस्ती उन्नति सिंह, टीवी अभिनेता जयदीप, बॉलीवुड कोरियोग्राफर यतिन गांधी, मॉडल शेफाली सूद और प्रसिद्ध कवि आलोक श्रीवास्तव सहित कई जाने-माने निर्णायकगण उपस्थित रहे।

सीनियर मिस इंडिया में भाग लेंगी आद्या

आद्या ने भविष्य में सीनियर मिस इंडिया प्रतियोगिता में भाग लेने की इच्छा व्यक्त की है। आद्या रायगढ़ घराने की प्रसिद्ध कथक नृत्यांगना वासंती वैष्णव की शिष्या हैं और उनके मार्गदर्शन में अपनी शास्त्रीय नृत्य कला को निरंतर निखार रही हैं। बता दें कि आदया श्रीवास्तव बिलासपुर क्रांति नगर की रहने वाली है, वह डीपीएस स्कूल की कक्षा सातवीं की छात्रा हैं। वे पूर्व क्रिकेटर आलोक श्रीवास्तव, जो वर्तमान में CMPDI में विभागाध्यक्ष (मानव संसाधन एवं प्रशासन) के पद पर कार्यरत हैं, और आंचल श्रीवास्तव की बेटी हैं।

बीजापुर में बेघर हुए 100 परिवार के लोग नेशनल हाईवे पर बैठे

■ रायपुर-हैदराबाद मार्ग में लगा जाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। नगर में 100 से अधिक मकानों को बुलडोजर से तोड़े जाने के बाद स्थानीय विधायक विक्रम मंडावी मौके पर पहुंचे। रविवार को उन्होंने पीड़ित ग्रामीणों से घटना के संबंध में जानकारी ली और सभी प्रभावितों को लेकर बीच सड़क बैठकर हाईवे में चक्काजाम कर दिए है।

इस दौरान उनके साथ करीब 500 प्रभावित ग्रामीण मौजूद है। रायपुर-हैदराबाद मार्ग नेशनल हाईवे 63 में जाम लग गया है। विधायक मंडावी ने घोषणा की है कि वे सड़क पर पीड़ितों के साथ धरना देंगे। इस विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के लिए सैकड़ों की संख्या में पीड़ित और अन्य ग्रामीण पहुंचे है। इस कार्रवाई में प्रभावित परिवार के लोगों की मांग है कि उन्हें नुकसान का उचित मुआवजा दिया जाये।

100 मकानों पर चला बुलडोजर

बीजापुर में 16-17 जनवरी को 2 दिन की कार्रवाई में न्यू बस स्टैंड के पीछे स्थित चट्टानपारा इलाके में अवैध अतिक्रमण बताते हुए प्रशासन ने 100 मकानों पर बुलडोजर चला दिया है। इस कार्रवाई के बाद इलाके में रहने वाले परिवार बेघर हो गए हैं। पीड़ित परिवारों ने कड़ाके की ठंड में पॉलिथीन के टेंट के सहारे रात गुजारी। इस दौरान डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड दंपती का घर भी तोड़ा गया, जबकि जवान ड्यूटी पर गया हुआ था। कुछ परिवार यहां पिछले 12-13 साल से रह रहे थे। प्रभावितों का कहना है कि प्रशासन से अनुमति मिलने के बाद उन्होंने पक्का मकान बनाया था।

भारतीय जनता पार्टी पूरे देश में लोगों की पहली पसंद : पीएम मोदी

गुवाहाटी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी असम के दो दिवसीय दौरे के दूसरे दिन रविवार को 6,957 करोड़ के काजीरंगा नेशनल पार्क में 35 किलोमीटर लंबा एलिवेटेड कॉरिडोर का भूमि पूजन किया। इसके साथ ही दो अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन दिब्रूगढ़-गोमती नगर (लखनऊ) और कामाख्या-रोहतक को हरी झंडी दिखाकर रवाना भी किया। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा दो वर्ष पहले काजीरंगा में बिताए गए पल मेरे जीवन के बहुत खास अनुभवों में शामिल हैं। मुझे काजीरंगा नेशनल पार्क में रात्रि विश्राम का अवसर मिला था और अगले दिन एलिफेंट सफारी के दौरान मैंने इस क्षेत्र की सुंदरता को बहुत करीब से महसूस किया था। उन्होंने कहा पूरे भारत देश में भारतीय जनता पार्टी लोगों की पहली पसंद बनी हुई है।

जगदलपुर में भीषण सड़क हादसा: तालाब में गिरी तेज रफ्तार अनियंत्रित स्कॉर्पियो, तीन की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के जगदलपुर शहर में एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हो गए। यह हादसा शहर के कालीपुर क्षेत्र में तब हुआ जब तेज रफ्तार स्कॉर्पियो वाहन अनियंत्रित होकर पास के एक तालाब में जा गिरी। मृतकों की पहचान भावेश नागे, शेखर नागे और मनीष नेवर के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया, सभी का रो रोकर बुरा हाल है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कालीपुर निवासी सात युवक, जो क्रिकेट खिलाड़ी बताए जा रहे हैं, स्कॉर्पियो में सवार होकर घूमने निकले थे। देर रात जब वे वापस घर लौट रहे थे, तभी कालीपुर के पास वाहन चालक का नियंत्रण बिगड़ गया और गाड़ी सीधे तालाब में समा गई। इस हादसे में तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

हिंसा से पश्चिम बंगाल का रिश्ता 100 साल पुराना

कोलकाता के जादवपुर इलाके में एक बीएलओ की हत्या हो गई। भाषणवीरों ने टीएमसी को कोसना शुरू कर दिया। कहा, टीएमसी के राज में कोई भी सुरक्षित नहीं है। यह भी कहा गया कि पश्चिम बंगाल जो कभी लोकतांत्रिक सोच और बौद्धिक परंपरा के लिए जाना जाता था, आज टीएमसी के शासन में डर, दबाव और राजनीतिक हिंसा का केंद्र बन गया है। उन्हें इतिहास की जानकारी नहीं है। आम-आदमी की स्मरण शक्ति को तो छोड़ ही दें। पश्चिम बंगाल का हिंसा से रिश्ता भी उतना ही पुराना है जितना कि स्वतंत्रता संग्राम का। बंगाल का एक विद्रोही 1905-06 में फ्रांस से बम बनाना सीखकर आया। पहला विस्फोट 1907 में ब्रिटिश ट्रेन में किया गया। इसके कुछ ही महीनों बाद मुजफ्फरपुर में एक बग्घी पर बम फेंका गया जिसमें दो अंग्रेज महिलाओं की जान चली गई। इस घटना ने खुदीराम बोस को किशोर विद्रोही, शहीद और पहले 'स्वतंत्रता सेनानी' के रूप में स्थापित कर दिया। 1908 में बाल गंगाधर तिलक ने लिखा कि बम केवल हथियार नहीं बल्कि एक नए प्रकार का जादुई ज्ञान' है जो बंगाल से शेष भारत में फैल रहा था। दरअसल, भारत का चौथा सबसे बड़ा राज्य पश्चिम बंगाल, जिसकी आबादी 10 करोड़ से अधिक है, लंबे समय से राजनीतिक हिंसा से जूझ रहा है। 1947 में आजादी मिलने के बाद दो दशकों तक कांग्रेस पार्टी, तीन दशकों तक कम्युनिस्ट नेतृत्व वाला वाम मोर्चा और 2011 से वर्तमान तृणमूल कांग्रेस यहां सत्ता में है। 1960 के दशक के उत्तरार्ध में यहां माओवादियों और सरकारी बलों के बीच सशस्त्र संघर्ष का लंबा इतिहास रहा है। सुतली से बने कच्चे बम, जिन्हें यहां पेटो कहा जाता है, का इस्तेमाल राजनीतिक विरोधियों को चुप कराने के लिए होता रहा है। बंगाल का इतिहास रहा है कि यहां जनप्रतिरोध हमेशा हिंसक रहा है। किराया बढ़ने पर बसों में आगजनी, पाकेटमारों की पीट-पीट कर हत्या जैसे मामले 70-80 के दशकों में खूब सुनने में आते थे। 'वन्देमातरम्' खुद स्वयं 19वीं सदी के संन्यासी विद्रोह की उपज है। यह संन्यासी, फकीर, किसानों और जमींदारों का सशस्त्र आंदोलन ही था। थोड़ा इतिहास पढ़ें।

छत्तीसगढ़ के उत्तर-मध्य क्षेत्र में शीतलहर का अलर्ट

रायपुर। छत्तीसगढ़ में ठंड का असर लगातार बना हुआ है। मौसम विभाग के मुताबिक उत्तर और मध्य क्षेत्र में अगले 24 घंटे तक शीतलहर चलने की संभावना है। हालांकि, राहत की बात यह है कि अगले तीन दिनों में न्यूनतम तापमान में 1 से 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी हो सकती है। दिन के तापमान में बड़े बदलाव के आसार नहीं हैं।

वहीं पिछले 24 घंटे की बात करें तो प्रदेश में सबसे ज्यादा तापमान 31.7 डिग्री जगदलपुर में दर्ज किया गया। सबसे कम न्यूनतम तापमान 4.7 डिग्री अंबिकापुर में रिकॉर्ड किया गया। सरगुजा, रायपुर और दुर्ग संभाग के कुछ हिस्सों में शीतलहर का असर देखा गया। वहीं दिन में तेज धूप देखने को मिली। मौसम विभाग के अनुसार उत्तर भारत से आने वाली ठंडी हवाओं के कारण छत्तीसगढ़ में रात और सुबह ज्यादा ठंड महसूस हो रही है।

संपादकीय

भ्रष्टाचार तो अब और गंभीर समस्या बन चुका है

आजादी के बाद भ्रष्टाचार कोई गंभीर समस्या नहीं था। लेकिन आजादी के बाद के दशकों में यह गंभीर समस्या होता चला गया है क्योंकि राजनीति में पहले जो लोग सेवा के लिए आते थे अब भ्रष्टाचार कर पैसा कमाने के लिए आने लगे। धीरे धीरे सेवा का भाव तो खत्म हो गया है आज तो ज्यादातर लोग राजनीति में पैसा कमाने के लिए आते हैं, उनको लगता है कि राजनीति में आकर पैसा कमाना बहुत आसान है, हमारी पार्टी की सरकार बन गई तो हम जितना चाहे भ्रष्टाचार कर सकते हैं और जितना चाहे उतना पैसा कमा सकते हैं।पहले तो सौ सरकारी कर्मियों, सौ नेताओं में इक्का दुक्का भ्रष्ट होते थे, उनको अच्छी नजर से देखा नहीं जाता था, उनको समाज में इज्जत नहीं मिलती थी। आज तो सौ में 90 सरकारी कर्मी व नेता भ्रष्ट माने जाते हैं और सिंडीकेट बनाकर भ्रष्टाचार करने के कारण भ्रष्ट लोगों को कोई बुरा नहीं कहता है,वह होशियार माने जाते है और अब तो 10 प्रतिशत ईमानदार लोगों को बेवकूफ समझा जाता है कि उसे मौका मिल रहा है और वह भ्रष्टाचार नहीं कर रहा है। जहां तक सरकारी सिस्टम व सरकार के स्तर पर होने वाला भ्रष्टाचार है इसे रोक पाना किसी एक ईमानदार सीएम के लिए आसान नहीं है क्योंकि सरकारी सिस्टम हो या सरकार के स्तर पर होने वाले काम हों, अफसर,कर्मचारी से लेकर मंत्री तक पैसा कमाने का कोई न कोई मौका तलाश लेते हैं। भ्रष्टाचार जब बहुत से लोग सामूहिक रूप से करते हैं तो उसे पकड़ना और मुश्किल होता है। क्योंकि जिन पर भ्रष्टाचार रोकने की जिम्मेदारी होती है वही भ्रष्टाचार करते है, भ्रष्टाचार को बढ़ावा देते हैं तो भ्रष्टाचार रुक कैसे सकता है।जब किसी सरकार का मुखिया किसी को इसलिए बनाया जाता है कि वह पार्टी को दो चार हजार करोड़ रुपए राज्य से जुटाकर देगा तो मुखिया अपने घर से तो इतना पैसा नहीं देता है, वह राज्य के पैसा में संगठित रूप से भ्रष्टाचार कर पार्टी को देता है। साथ ही अपने परिवार के लिए पैसा निकालता है तो ऐसे में राज्य मे एक के बाद घोटाले सामने कैसे नहीं आएंगे।

> यह धारा असंवैधानिक है,इसे निरस्त किया जाना चाहिए।इसके लिए किसी पूर्व स्वीकृति की आवश्यकता नहीं है।भ्रष्टाचार के मामले में जांच के लिए पूर्व स्वीकृति की आवश्यकता अधिनियम के उद्देश्य के विपरीत है,यह जांच को बाधित करती है तथा ईमानदार व सत्यनिष्ठ लोगों की रक्षा करने की जगह भ्रष्ट लोगों को संरक्षण प्रदान करती है जिन्हें वास्तव में किसी संरक्षण की जरूरत नही है।दो जजों की बेंच तो धारा 17 ए के मामले में कोई साफफैसला नहीं कर सकी है। यानी इसके लिए और बडी बेंच का गठन किया जाएगा। इस देश में भ्रष्टाचार को रोकना है तो उसको कानून का संरक्षण देकर नहीं रोका जा सकता क्योंकि अब तो सरकार पर ही आरोप लग रहे हैं कि उसने पांच साल में पार्टी फंड के लिए, चुनाव के लिए भ्रष्टाचार किया है।

ऐसे मुखिया के रहते तो राज्य में भ्रष्टाचार शिष्टाचार,नवाचार बन जाता है तो उसके बाद आने वाले मुखिया के लिए भ्रष्टाचार को रोकना और मुश्किल हो जाता है। खासकर उस मुखिया के लिए भ्रष्टाचार रोकना मुश्किल हो जाता है जो भ्रष्टाचार नहीं होने देने की बात भी करता है और ऐसे उपाय भी करता है कि भ्रष्टाचार न हो सके।भ्रष्टाचार करने वालों पर कार्रवाई हो। पांच साल में तंत्र को भ्रष्टाचार करने की आदत हो जाती है तो उसे सुधारने में वक्त तो लगता है,भ्रष्टाचार भी शेर के मुंह में खून लग जाने के समान होता है, एक बार आदत हो जाए तो मौका मिलते ही भ्रष्टाचार करने वाले कहां चूकते हैं। नए नए तरीके से भ्रष्टाचार करते हैं।पांच साल में एक मुखिया जितना भ्रष्टाचार को बढ़ा सकता है, दूसरा मुखिया पांच साल में उसे कम नहीं कर सकता क्योंकि बीमारी होती जल्दी है, उसके उपचार में वक्त लगता है।

भ्रष्टाचार में बड़ी संख्या में सरकारी कर्मचारी पकड़े जाते हैं तो सरकार के सामने यह समस्या तो आती है कि वह कार्रवाई करेगी तो शासन चलाने में दिक्कत होगी।इसी वजह से आजादी के बाद यह व्यवस्था यह व्यवस्था की गई कि सरकारी कर्मचारी या अफसरों पर भ्रष्टाचार का मामला चलाने के लिए सरकार से अनुमति लेनी होगी।इसे लेकर जैसे लोगों में मतभेद हैं उसी तरह का मतभेद जजों में भी सामने आया है। दो जजों की पीठ के सामने यह मामला आया कि अफसरों के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामलों की जांच से पहले अनुमति लेना ठीक है या गलत है तो एक जज विश्वनाथन ने कहा है कि धारा 17 ए संवैधानिक रूप से वैध है उनका कहना है कि जब तक ईमानदार को तुच्छ जांच से बचाया नहीं जाता तब तक नीतिगत गतिरोध उत्पन्न हो जाएगा। लोकसेवकों को दुर्भावनापूर्ण मामलों में बचाने की आवश्यकता है। दुरुपयोग की संभावना धारा 17 ए को रद्द करने का आधार नहीं है। धारा17 ए के मामले में दूसरी जज नागरत्ना का कहना है कि यह प्रावधान भ्रष्ट लोगों को बचाने का प्रावधान है।

रासायनिक उर्वरकों का बढ़ता जालः क्या अब बड़े सुधारों का समय आ गया है?

– पद्मश्री राम सरन वर्मा

भारत एक कृषि प्रधान देश है, जहाँ की एक बड़ी आबादी अपनी आजीविका के लिए सीधे तौर पर खेती पर निर्भर है।देश की बढ़ती खाद्य माँग को पूरा करने के उद्देश्य से पिछले कई दशकों से रासायनिक उर्वरकों का उपयोग निरंतर बढ़ाया गया है।शुरुआती दौर में इन उर्वरकों ने उत्पादन बढ़ाने में निश्चित रूप से मदद की, लेकिन आज इनके अंधाधुंध और अनियंत्रित उपयोग के कारण कृषि, पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य पर गंभीर संकट मंडराने लगा है।

देश में रासायनिक उर्वरकों के बढ़ते उपयोग का अंदाज़ा इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि वर्ष 2018-2019 में जहाँ 115 करोड़ बैग की खपत हुई थी, वहीं 2024-25 के दौरान यह आंकड़ा 150 करोड़ बैग को पार कर गया है।गौर करने वाली बात यह है कि भारत की जनसंख्या लगभग 143 करोड़ है, जबकि उर्वरकों की खपत 150 करोड़ बैग से भी अधिक हो चुकी है।यह असंतुलन न केवल चिंताजनक है, बल्कि भविष्य के लिए एक बड़े खतरे का संकेत भी है। रासायनिक उर्वरकों का असर अब हमारे थाल तक पहुँच चुका है।गेहूँ, चावल, दालें, सब्जियाँ, फल और यहाँ तक कि दूध, दही और घी भी इनके रसायनों से अछूते नहीं रहे हैं।इसके परिणामस्वरूप देश में कैंसर, हृदय घात, एलर्जी और मधुमेह जैसी गंभीर बीमारियों के मामले दिन-प्रतिदिन बढ़ रहे हैं।

खेतों की स्थिति भी कम सोचनीय नहीं है। नियमानुसार, उर्वरकों का उपयोग केवल पौधों की जड़ों के पास होना चाहिए, लेकिन पूरे खेत में इनके छिड़काव से खरपतवार की समस्या बढ़ जाती है।इस खरपतवार को खत्म करने के लिए फिर भारी मात्रा में खरपतवार-नाशक दवाओं का उपयोग होता है, जो मिट्टी की उर्वरता को नष्ट कर देती हैं।मिट्टी की खोई हुई शक्ति वापस पाने के लिए किसान और अधिक खाद डालता है, और यह दुष्चक्र हर साल मिट्टी को और अधिक बंजर बनाता जा रहा है।

उर्वरक क्षेत्र में बढ़ता निवेश देश की अर्थव्यवस्था पर भी भारी पड़ रहा है।वर्तमान में देश में प्रतिवर्ष लगभग 3 लाख करोड़ रुपये (सब्सिडी सहित) के रासायनिक उर्वरकों का उपयोग हो रहा है।विडंबना यह है कि हमारा उर्वरक उद्योग 80 प्रतिशत तक विदेशी कच्चे माल या आयातित उर्वरकों पर निर्भर है।कुल 3 लाख करोड़ रुपये में से 2.5 लाख करोड़ रुपये केवल आयात में खर्च हो जाते हैं।इस प्रकार, एक ओर हमारी भूमि बंजर हो रही है, तो दूसरी ओर देश की बड़ी पूंजी विदेशों में जा रही है।

सरकार किसानों के कल्याण के लिए भारी सब्सिडी दे रही है।पिछले 10 वर्षों में लगभग 13 लाख करोड़ रुपये की उर्वरक सब्सिडी प्रदान की गई है।इसी सब्सिडी के कारण 40 रुपये प्रति किलो वाली यूरिया खाद किसानों को 6 रुपये प्रति किलो से भी कम दाम पर उपलब्ध है।स्थिति यह है कि यूरिया आज पशुओं के चारे से भी सस्ता हो गया है।सरकार 85 से 90 प्रतिशत तक सब्सिडी देती है ताकि किसानों को यूरिया एक चाय के कप से भी कम कीमत पर मिले।लेकिन इसी कम कीमत का लाभ उठाकर बिचौलिए इसकी कालाबाजारी करते हैं और कृषि के बजाय इसका उपयोग प्लाईवुड कारखानों, कैटल फीड और मिलावटी दूध बनाने में कर रहे हैं।

इस संकट से उबरने के लिए अब ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है।पहले खेतों से निकलने वाले अवशेषों का उपयोग जैविक खाद के रूप में होता था, जिससे मिट्टी का 'जैविक कार्बन' बना रहता था।आज इन अवशेषों को बेचने से किसानों को कुछ लाभ तो होता है, लेकिन वह रासायनिक उर्वरकों की वास्तविक लागत के मुकाबले बहुत कम है।

सरकार को चाहिए कि वह रासायनिक उर्वरकों के बैग का वजन कम कर उसकी जगह जैविक खाद के विकल्प उपलब्ध कराए।साथ ही, अत्यधिक उर्वरक उपयोग वाले क्षेत्रों को चिन्हित कर वहां विशेष निगरानी दल गठित किए जाने चाहिए।

धरती की सेहत सुधारने के लिए जरूरी सुझावः

1. हरी खाद का अधिक इस्तेमाल: जिस तरह शरीर को स्वस्थ रखने के लिए योग आवश्यक है, उसी तरह से मिट्टी के स्वास्थ्य के लिए हरी खाद अनिवार्य है।
2. पौधों का विकास: जैविक खाद के प्रयोग से पौधों की जड़ों को फैलने और गहराई तक जाने का पर्याप्त अवसर मिलता है।
3. वैज्ञानिक फसल चक्र: एक ही तरह की फसल बार-बार उगाने के बजाय फसल चक्र बदलें।जैसे दलहनी फसलें जमीन के गहरे स्तर से पोषक तत्व लेती हैं, जबकि गेहूं और धान ऊपरी सतह से।
4. उन्नत सिंचाई तकनीक:ड्रिप इरिगेशन (टपक सिंचाई) अपनाएं और खेती से पहले भूमि को समतल करें।इससे पानी की बचत होगी और उर्वरक सीधे पौधों पर कारगर तरीके से काम करेंगे।
5. यूरिया का कुशल उपयोग:ज्यूरिया का छिड़काव शाम के समय अधिक प्रभावी होता है, जिससे कम खाद में बेहतर परिणाम मिलते हैं।
6. पशुधन और जैविक संतुलन:पशुपालन को बढ़ावा दें ताकि गोबर की खाद का उपयोग बढ़े।इससे उत्पादन क्षमता दीर्घकालिक बनी रहेगी और मिट्टी को भी विश्राम मिलेगा।

यदि हमने आज मिट्टी नहीं बचाई, तो हमारा भविष्य भी सुरक्षित नहीं रहेगा। समय आ गया है कि हम रसायनों के इस मोह को छोड़कर प्रकृति की ओर लौटें।

पश्चिम बंगाल का चुनाव घुसपैठिया भगाओ के नैरेटिव की भी परीक्षा

अजीत द्विवेदी

पश्चिम बंगाल विधानसभा की लड़ाई एक समान्य चुनावी लड़ाई नहीं है। यह उससे कहीं ज्यादा है। भारतीय जनता पार्टी और उसके दोनों सर्वोच्च नेताओं नरेंद्र मोदी और अमित शाह के लिए यह प्रतिष्ठा की लड़ाई है। मोदी और दीदी यानी नरेंद्र मोदी और ममता बनर्जी के कल्ट की लड़ाई है। भाजपा और भाजपा विरोध के बुनियादी नैरेटिव की लड़ाई है और भाजपा के हिंदुत्व बनाम हिंदू धर्म की विविधता का भी मुकाबला है। ध्यान रहे दक्षिण के राज्यों को छोड़ दें तो बंगाल एकमात्र राज्य है, जहां मोदी और शाह का जादू नहीं चल पा रहा है। बिहार में भी नहीं चला लेकिन वहां 2015 का चुनाव हारने के बाद भाजपा को समझ में आ गया था कि नीतीश कुमार के रहते अकेले दम पर चुनाव जीतना संभव नहीं है। इसलिए भाजपा ने नीतीश के साथ गठबंधन को प्राथमिकता दी।

इसी तरह झारखंड में 2014 में जादू चल गया था और भाजपा जीत गई थी। लेकिन उसके बाद लगातार दो बार से हार रही है। तभी वहां भी झारखंड मुक्ति मोर्चा को एनडीए में लाने के प्रयासों की गाहेबगाहे खबर आती रहती है। परंतु पश्चिम बंगाल में भाजपा ऐसा नहीं कर सकती है। वहां उसे ममता बनर्जी के खिलाफ ही लड़ना है और दोनों साथ नहीं आ सकते हैं। आखिर ममता के मुकाबले लेफ्ट और कांग्रेस की ताकत पूरी तरह से समाप्त करके ही भाजपा वहां मजबूत हुई है। लेकिन अभी इतनी मजबूत नहीं हो पाई है कि ममता बनर्जी को हरा कर सत्ता प्राप्त कर ले। भारतीय जनता पार्टी पश्चिम बंगाल की लड़ाई जीवन मरण की तरह लड़ रही है। कह सकते हैं कि भाजपा हर जगह ऐसे ही लड़ती है। यह सही है फिर भी पश्चिम बंगाल की लड़ाई अलग है। यह हिंदू बनाम मुस्लिम के ध्रुवीकरण की राजनीति का टेस्ट केस है। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल में मुस्लिम आबादी 30 फीसदी के करीब है। बाकी करीब 70 फीसदी हिंदू आबादी है। यह आम धारणा है कि पश्चिम बंगाल में बांग्लादेशी घुसपैठियों या मुसलमानों की प्रजनन दर की वजह से राज्य की जनसंख्या संरचना बदल रही है। तेजी से मुस्लिम आबादी बढ़ती जा रही है और ममता बनर्जी की मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति के कारण हिंदू परेशान हैं।

इसमें भी कोई संदेह नहीं है कि हिंदू सचमुच की परेशानी या बनाई गई धारणा के कारण भाजपा की ओर मुड़े हैं। पिछले तीन चुनावों में, जिनमें 2019 और 2024 के लोकसभा चुनाव और 2021 का विधानसभा चुनाव शामिल है, भाजपा को औसतन 40 फीसदी के करीब वोट मिले हैं। इसका मतलब है कि उसे 70 फीसदी हिंदुओं में से 60 फीसदी का वोट मिला है। यह बहुत बड़ा ध्रुवीकरण है। आमतौर पर दूसरे राज्यों में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण में हिंदू 50 फीसदी वोट भाजपा को करे तो वह बड़ी जीत हासिल करती है। लेकिन बंगाल में 60 फीसदी पर भी वह जीत नहीं पाती है। इसका अर्थ है कि और ज्यादा हिंदू ध्रुवीकरण होने पर ही भाजपा के लिए मौका बनेगा। क्या इस बार यह संभव हो पाएगा? अगर भाजपा 70 फीसदी हिंदू आबादी में से 70 फीसदी वोट प्राप्त करे तब उसकी जीत सुनिश्चित होगी। ऐसा गणित इसलिए है क्योंकि पश्चिम बंगाल में बिल्कुल आमने सामने का चुनाव होता है। तृणमूल कांग्रेस बनाम भाजपा का मुकाबला होता है। लेफ्ट और कांग्रेस की ताकत पूरी तरह से समाप्त हो गई है। दोनों को मिला कर 10 फीसदी के करीब वोट मिलता है। 87 से 88 फीसदी वोट तृणमूल और कांग्रेस में बंटते हैं। अगर कोई ऐसी ताकत आए, जिसकी वजह से मुस्लिम वोट का बंटवारा हो तब भाजपा के लिए मौका है या वह 70 फीसदी हिंदू वोट ले और बचा हुआ हिंदू वोट अकेले तृणमूल की तरफ जाने की बजाय दूसरी पार्टियों में बंटे तब उसके लिए मौका बने।

पिछले चुनाव में हुगली के फुरफुरा शरीफ के पीरजादा अब्बास सिद्दीकी ने इंडियन सेकुलर फ्रंट बनाया था और कांग्रेस व लेफ्ट के साथ तालमेल करके लड़े थे। इन तीनों पार्टियों के गठबंधन को 294 में से सिर्फ एक सीट पर जीत मिली थी वह सीट भी आईएसएफ को मिली थी। इसका मतलब है कि तमाम गठबंधन के बावजूद मुस्लिम पूरी तरह से ममता बनर्जी के साथ रहे। इस बार अलग तरह से प्रयास हो रहा है। मुर्शिदाबाद में तृणमूल से निष्कासित विधायक हुमायूं कबीर ने बेलडांगा में बाबरी मस्जिद बनाने का ऐलान किया है। उन्होंने नींव रख दी है और फरवरी में निर्माण कार्य शुरू होगा। उन्होंने जातीय उन्नयन पार्टी का गठन किया है। वे असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एमआईएम से तालमेल की तैयारी कर रहे हैं।

दूसरी ओर कांग्रेस पार्टी ने एक बार फिर जोर लगाया है। ममता बनर्जी की पार्टी से राज्यसभा सांसद मौसम बेनजीर नूर की कांग्रेस में वापसी हुई है। वे एबीए गनी खां चौधरी यानी बरकतदा के परिवार की हैं, जिसका मालदा में बड़ा असर है। उनके चचेरे भाई ईशा खान चौधरी बंगाल में कांग्रेस के इकलौते सांसद हैं। सो, कांग्रेस भी मुस्लिम वोट के लिए जोर लगा रही है। इंडियन सेकुलर फ्रंट तो है ही। हालांकि इतनी भीड़ के बावजूद मुस्लिम वोट टूटेंगे इसमें संदेह है।

अब सवाल है कि क्या हिंदू वोट का 70 फीसदी भाजपा के साथ जाएगा? यह एक मुश्किल लक्ष्य लग रहा है। इसका कारण यह है कि ममता बनर्जी भी पश्चिम बंगाल की संस्कृति से जुड़ी धार्मिकता को बढ़ावा दे रही हैं। पिछला चुनाव उन्होंने मां काली का मंत्र पढ़ कर जीता था। इस बार उन्होंने दीघा में जगन्नाथ धाम बनाया है। यह बंगाल की संस्कृति से जुड़ा मामला है। ध्यान रहे बंगाल में चैतन्य महाप्रभु का बड़ा असर है और जगन्नाथ धाम उनके भक्तों को आकर्षित कर रहा है। इसी तरह उन्होंने न्यू कोलकाता टाउन में सबसे बड़े दुर्गा मंदिर की नींव रखी है। वे दुर्गा आंगन बनवा रही हैं। उधर सिलिगुड़ी में वे सबसे बड़ा महाकाल मंदिर बनवाएंगी। ध्यान रहे बंगाल में शिव शक्ति की पूजा की संस्कृति रही है। ममता बनर्जी ने दुर्गापूजा करे सभी पंडालों को पहले से ज्यादा पैसे भी दिए।

इस तरह वे भाजपा और संघ के पूरे देश को जय श्रीराम के नारे के साथ वैष्णव बनाने के प्रोजेक्ट को चैलेंज कर रही हैं। ध्यान रहे संघ और भाजपा हिंदू धर्म की विविधता को एकरूपता में बदलने की परियोजना चला रहे हैं।

बेहतर विमर्श से जीवन संतोषजनक बनाएं

भारत डोंगरा

बेहतर पोषण, शारीरिक व्यायाम, मानसिक सक्रियता बनाए रखने, बेहतर सामाजिक संबंधों व परिवार तथा समुदायों में वृद्ध व्यक्तियों को उचित महत्व व सम्मान देने के आधार पर वृद्धावस्था को कहीं अधिक स्वस्थ व संतोषजनक बनाया जा सकता है। विश्वस्तर पर वृद्धों का जनसंख्या में प्रतिशत बढ़ रहा है और इसके साथ इस बारे में बेहतर विमर्श की जरूरत है कि उनका जीवन स्वस्थ व संतोषजनक कैसे बन सके। वर्ष 1950 में विश्व का कोई व्यक्ति औसतन 46 वर्ष जीता था तो वर्ष 2023 में यह आंकड़ा 70 वर्ष तक पहुंच गया। जापान, इटली व स्विट्जरलैंड जैसे कुछ देशों में आज औसत आयु ही 80 वर्ष के पार पहुंच चुकी है। वर्ष 2050 के लिए यह अनुमानित है कि 60 वर्ष से अधिक उम्र के विश्व में 210 करोड़ लोग होंगे व विश्व की जनसंख्या में उनका हिस्सा 21 प्रतिशत होगा। ऐसे में जरूरी है कि वृद्धावस्था को स्वस्थ व संतोषजनक बनाने के लिए बेहतर प्रयास किए जाएं। इस सोच से प्रेरित होकर विश्व स्तर पर वर्ष 2021-2030 के दशक को स्वस्थ वृद्धावस्था के दशक के रूप में मनाया जा रहा है।

हालांकि वृद्धावस्था को अधिक रोगों व स्वास्थ्य समस्याओं के रूप में देखा गया है, पर हाल के समय में इस ओर अधिक महत्व दिया गया है कि समुचित सावधानियां बरत कर, अनुकूल स्थितियां उत्पन्न कर इन रोगों व स्वास्थ्य समस्याओं को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इस तरह वृद्धावस्था को अधिक संतोषजनक व रचनात्मक बनाया जा सकता है। जहां रोग का इलाज जरूरी है वहां यह और भी महत्वपूर्ण है कि नीतिगत व व्यक्तिगत स्तर पर बेहतर कदम

उठाकर इन रोगों की संभावना को ही अपेक्षाकृत कहीं कम किया जा सकता है। जहां दुर्घटना होने पर चोट के इलाज की व्यवस्था जरूरी है, वहां यह भी सच है कि कुछ सावधानियां अपना कर चोट लगने की संभावना को ही काफी हद तक कम किया जा सकता है।

यदि भारत की स्थिति देखें तो वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की संख्या 10.3 करोड़ थी व उसका भारत की इस समय की जनसंख्या में 8.6 प्रतिशत का हिस्सा था। वर्ष 2050 के लिए सरकारी स्तर पर अनुमान है कि तब तक 60 वर्ष से अधिक की आयु की जनसंख्या बढ़कर 31.9 करोड़ तक पहुंच जाएगी। यह उस समय की भारतीय जनसंख्या का 19.5 प्रतिशत होगा।

अब यदि हम अधिक वृद्ध व्यक्तियों यानी 75 वर्ष की आयु से अधिक के व्यक्तियों की बात करें तो वर्ष 2011 और वर्ष 2050 के बीच इनकी संभावित वृद्धि की दर और भी अधिक है। सरकारी स्तर का अनुमान है कि इस दौर में कुल जनसंख्या में इनके हिस्से में 340 प्रतिशत की वृद्धि होगी। इन स्थितियों को देखते हुए यह विमर्श और जरूरी हो जाता है कि उपलब्ध बजट व अन्य सीमाओं के बीच वृद्धावस्था को अधिक स्वस्थ व संतोषजनक कैसे बनाया जाए। निश्चय ही सभी वृद्ध लोगों तक समुचित पेंशन पहुंचाना बहुत जरूरी है। इसके साथ उनके स्वस्थ जीवन के लिए अनेक अन्य कदम उठाना भी आवश्यक है।

जहां बीमारियों का इलाज व इसकी व्यवस्था आवश्यक है, वहां इससे भी अधिक जरूरी व लाभदायक है कि ऐसी नीतियों व कार्यक्रमों को अपनाया जाए जिनके आधार पर इन बीमारियों की संभावना को अपेक्षाकृत कहीं कम किया जा सके। बेहतर पोषण, शारीरिक व्यायाम, मानसिक सक्रियता बनाए रखने, बेहतर सामाजिक संबंधों व परिवार तथा समुदायों में वृद्ध व्यक्तियों को उचित महत्व व सम्मान देने के आधार पर वृद्धावस्था को कहीं अधिक स्वस्थ व संतोषजनक बनाया जा सकता है।

दक्षिण राजस्थान में 'प्रबल यात्रा' कार्यक्रम को इसी सोच के आधार पर तैयार किया गया है व इसे अर्थ संस्था द्वारा लगभग 100 गांवों में क्रियान्वित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत आने वाले गांवों में वृद्ध नागरिकों को प्रबल यात्रा मंच के सदस्य के रूप में एक मंच पर लाया जाता है व वे हर महीने अपने गांव की एक सामूहिक मीटिंग में मिलते हैं व अपने विभिन्न सरोकारों, मुद्दों, समस्याओं व जीवन के अनुभवों की चर्चा करते हैं। इस आधार पर वे आगे भी ऐसी अगली मीटिंग होने तक, आपस में बेहतर विमर्श कर सकते हैं।

ऐसी सामूहिक वार्ता में ऐसे पोषण सुधार की चर्चा होती है जो मौजूदा स्थितियों में वृद्ध लोगों के लिए संभव है। यदि दांत कमजोर होने के कारण कोई कोमल रूप में उपलब्ध खाद्य की जानकारी है, तो उसे एक-दूसरे से बांटा जा सकता है। प्रबल यात्रा कार्यक्रम ने सब्जियों के अधिक उपयोग व घर के पास सब्जी उगाने के लिए सहायता देने को महत्व दिया है। इस वार्ता में ऐसे साधारण व्यायाम के बारे में चर्चा व अभ्यास भी होता है, जो वृद्ध व्यक्ति आसानी से अपना सकते हैं। परस्पर मिल कर वृद्ध व्यक्ति ऐसे कुछ खेल भी खेलते हैं जिनसे मानसिक सक्रियता बनी रहे या इसमें सुधार हो। विभिन्न परिवारों के सहयोग से उनके घर व आसपास के क्षेत्र का ऐसा आकलन किया जाता है जिससे वृद्ध या अन्य व्यक्तियों के गिरने या दुर्घटनाग्रस्त होने की संभावना को कम किया जा सकता है। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत जरूरतमंद वृद्ध गांववासियों को चश्मा प्राप्त करने, मोतियाबिंद का आप्रेशन करवाने में मदद की जाती है व चलने में सहायता के लिए छड़ी व वॉकर भी नि:शुल्क उपलब्ध करवाए जाते हैं।

वृद्ध व्यक्तियों को अस्पताल में जरूरी इलाज करवाने के लिए समुचित सहायता दी जाती है। अनेक वृद्ध व्यक्तियों को नियमित पेंशन व राशन मिल रहे हैं पर यदि किसी को यह सरकारी सुविधाएं प्राप्त करने में कठिनाई होती है तो इस कार्यक्रम की ओर से उसे सहायता दी जाती है। अन्य सरकारी कार्यक्रमों का लाभ प्राप्त करने में भी सहायता की जाती है। इस तरह वृद्ध व्यक्तियों के कई तनाव कम हो जाते हैं व उन्हें यह आश्वासन रहता है कि जरूरत पड़ने पर यहां से सहायता मिल सकती है।

दोस्ती की बातें महज रस्म-अदायगी

पैक्स सिलिका का मकसद सेमीकंडक्टर, महत्त्वपूर्ण खनिज और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के क्षेत्र में वैकल्पिक सप्लाई चेन बनाना है। ऐसी सप्लाई श्रृंखला, जो चीन पर निर्भर ना रहे। मगर यह दीर्घकालीन योजना है, जिसको लेकर अभी कई अस्पष्टताएं हैं।

अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने नई दिल्ली पहुंचने पर भारत को जो 'उपहार' दिया, वह एक सांत्वना पुरस्कार ही है। राजदूतों का काम संबंधित देश में अपने मुल्क के लिए सद्भावना निर्मित करना भी होता है, तो गोर ने भारतीय कानों को सुहावनी लगने वाली बातें कहीं। साथ ही एलान किया कि भारत को अगले महीने पैक्स सिलिका गठबंधन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। कुछ समय पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने नौ देशों को शामिल करते हुए इस गठबंधन का एलान किया, तो उससे भारत में मायूसी का माहौल बना था। ट्रंप ने उसमें अपने देश के अलावा क्वॉड के दो सदस्य देशों- जापान एवं ऑस्ट्रेलिया को शामिल किया।

साथ ही आई2यू2 समूह के देशों इजराइल और यूएई को भी उसमें रखा। मगर इन दोनों समूहों के सदस्य भारत को उससे बाहर रखा गया। इन देशों के अलावा दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, ब्रिटेन और नीदरलैंड्स इसके बाकी सदस्य हैं। इसका मकसद सेमीकंडक्टर, महत्त्वपूर्ण खनिज और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के मामलों में वैकल्पिक सप्लाई चेन बनाना है। ऐसी सप्लाई श्रृंखला जो चीन पर निर्भर ना रहे। मगर यह दीर्घकालीन योजना है, जिसमें निवेश और जिसकी कार्य प्रणाली को लेकर अभी तमाम किस्म की अस्पष्टताएं हैं। अब ट्रंप ने अपने राजदूत के जरिए इसकी सदस्यता का उपहार भारत को भेजा है। मगर इस समूह की परिकल्पना भारत की जरूरतों के हिसाब से नहीं की गई है।

हकीकत यह है कि जो सप्लाई चेन ट्रंप चाहते हैं, उसकी तुरंत आवश्यकता अमेरिका को है। रेयर अर्थ खनिजों के क्षेत्र में निर्भरता के कारण उन्हें चीन के खिलाफ सख्त व्यापारिक कार्रवाइयां वापस लेनी पड़ी हैं। इसलिए वे अपने सहयोगी देशों की मदद से चीन पर निर्भरता घटाना चाहते हैं। जबकि भारत की फौरी जरूरत अमेरिका के साथ अनुकूल व्यापार समझौता है। उसमें मामला जहां का तहां अटका हुआ है। इस बारे में गोर ने इतना भर बताया कि वार्ता जारी है। इस बीच ट्रंप ने ईरान से कारोबार करने वाले देशों पर 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया है। उससे भारत भी प्रभावित होगा। स्पष्टत: ऐसे कदमों के साथ दोस्ती की बातें महज रस्म-अदायगी नजर आती हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

चंद्रिका राजपूत की पार्थिव काया मेडिकल कालेज को समर्पित

दुर्ग। राजीव नगर, बजरंग चौक निवासी 75 वर्षीय श्रीमती चंद्रिका बाई राजपूत का देहदान संपन्न हुआ। उनके पार्थिव शरीर को अभिषेक मिश्रा मेमोरियल मेडिकल कॉलेज को सौंपा गया। चंद्रिका बाई राजपूत ने दिसंबर, 2017 में देहदान की वसीयत की थी। परिजनों ने उनकी अंतिम इच्छा का सम्मान किया और 'प्रनाम' संस्था को सूचित किया। कागजी और कानूनी औपचारिकताएं पूरी करवाने के बाद संक्षिप्त श्रद्धांजलि सभा का आयोजन कर देह मेडिकल कालेज को सौंप दी गई।

मधु तिवारी की छत्तीसगढ़ी रामायन का विमोचन

कुम्हारी। छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के तत्वावधान में नवां प्रांतीय सम्मेलन बिलासपुर में हुआ। सम्मेलन ने छत्तीसगढ़ी को प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान के रूप में सुदृढ़ करने का संदेश दिया। कुम्हारी की रचनाकार मधु तिवारी की कृति सीता पति कथा: छत्तीसगढ़ी रामायन, जिसमें की छत्तीसगढ़ी भाषा में रामचरितमानस का संपूर्ण छत्तीसगढ़ी काव्यात्मक अनुवाद है का विमोचन किया गया। इसमें छत्तीसगढ़ी दोहा, चौपाई, सोरठा इत्यादि में अनुवादित है का भी विमोचन हुआ किया गया। मधु तिवारी ने बताया की इस कार्य में उन्हें लगभग सात वर्ष लगा।

बस स्टैंड के गड्ढों से राहत मिलेगी, डामरीकरण शुरू

दुर्ग। बस स्टैंड परिसर में सड़कों का लंबे समय से रिपेयर कार्य नहीं हुआ था। इस वजह से जगह-जगह गड्ढे हो गए थे। इससे यात्रियों को परेशानी हो रही थी। बारिश के सीजन में उनकी परेशानी और बढ़ जाती थी। इसे ध्यान में रखते हुए शहर सरकार ने बस स्टैंड परिसर की सड़कों का डामरीकरण का निर्णय लिया। 91 लाख की लागत से किए जा रहे डामरीकरण कार्य का शनिवार को महापौर अलका बाघमार और सभापति श्याम शर्मा ने शुभारंभ किया। महापौर ने कहा कि पार्षद व नागरिकों की मांग को ध्यान में रखते हुए डामरीकरण कार्य स्वीकृत किया गया है, जिससे आने वाले समय में आवाजाही आसान होगी।

स्वयंसिद्धा की नई टीम में रीता बनी कार्यकारी अध्यक्ष

भिलाई। महिलाओं की टीम स्वयंसिद्धा के पहले मासिक बैठक में वर्ष 2026 की नई कार्यकारी समिति का गठन किया गया और वर्षभर के कार्यों की रूपरेखा बनाई गई। संस्था के वर्ष 2026 की कार्यकारी समिति की घोषणा की गई जिनमें कार्यकारी अध्यक्ष रीता वैष्णव, सचिव राजश्री नायर, सहसचिव गीता चौधरी, कोषाध्यक्ष राजकुमारी कनोजे, सहकोषाध्यक्ष बिंदु नायक, सांस्कृतिक सचिव-रूमा डे, सह सांस्कृतिक सचिव-रंजना सूरज को बनाया गया। इस वर्ष पक्की धूप बैनर के अंतर्गत बुजुर्गों की प्रतिभा को मंच प्रदान किया जाएगा। संचालन देबजानी मजूमदार व राजश्री नायर ने किया। अध्यक्ष डॉ. सोनाली चक्रवर्ती ने बताया कि बैठकों में सिर्फ बातचीत ही नहीं होती बल्कि कार्यशालाएं आयोजित की जाती है, जिसमें संगीत व नाटक सिखाया जाता है।

विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग में साइंस कालेज की श्वेता श्रीवास ने किया प्रतिनिधित्व

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के लिए यह अत्यंत गर्व और हर्ष का विषय है कि बी.कॉम. अष्टम सेमेस्टर की छात्रा श्वेता श्रीवास ने विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2026 में भाग लिया। यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय कार्यक्रम 9 जनवरी से 12 जनवरी 2026 तक भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित किया गया, जिसका आयोजन युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किया गया। छात्रा ने इसके पूर्व कार्यक्रम वर्ष 2025 जनवरी मे भी अपनी भागीदारी दी थी।

विकसित भारत चैलेंज देश के युवाओं को राष्ट्र निर्माण से जोड़ने की एक महत्त्वपूर्ण पहल है। इस चैलेंज में देशभर से 50 लाख से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इनमें से एक पारदर्शी, बहु-आधारित तथा बहु-

स्तरीय चयन प्रक्रिया के माध्यम से लगभग 3000 फाइनलिस्ट्स का चयन किया गया, जिससे सभी प्रतिभागियों को समान और निष्पक्ष अवसर सुनिश्चित हुआ। श्वेता श्रीवास का इस चयन सूची में स्थान बनाना उनकी मेहनत, बौद्धिक क्षमता, नेतृत्व गुणों तथा समर्पण को दर्शाता है।

कार्यक्रम के दौरान देशभर से चयनित युवा प्रतिभागियों ने विकसित भारत के विजन, नीति-निर्माण, नवाचार, नेतृत्व और सामाजिक विकास जैसे विषयों पर संवाद एवं विचार-विमर्श में भाग लिया। श्वेता की इस सहभागिता से न केवल उनका व्यक्तिगत विकास हुआ, बल्कि महाविद्यालय का नाम भी राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित हुआ है। प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह ने श्वेता श्रीवास को इस उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

बीएसपी वार्षिक सुरक्षा कार्यक्रम में 98 संविदा कर्मियों सहित 17 बीएसपी कर्मी हुए सम्मानित

'नियर मिस', 'सर्वत्तम', 'अनमोल' एवं 'दक्ष' सुरक्षा पुरस्कारों से नवाजा

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के केंद्रीय यांत्रिक संगठन द्वारा कार्यस्थल पर सुरक्षा संस्कृति को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से 17 जनवरी 2026 को वार्षिक सुरक्षा कार्यक्रम का आयोजन कार्यकारी कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) श्री तापस दासगुप्ता के मुख्य आतिथ्य में किया गया। यह कार्यक्रम मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (अनुरक्षण एवं उपयोगिताएँ) बिजय कुमार बेहेरा एवं मुख्य महाप्रबंधक (यांत्रिकी) प्रमोद कुमार के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के दौरान यांत्रिकी संगठन के विभिन्न विभागों में उत्कृष्ट, सुरक्षित एवं प्रशंसनीय कार्य निष्पादन के लिए कुल 98 संविदा कर्मियों तथा 17 बीएसपी कर्मियों को सम्मानित किया गया। संविदा कर्मियों को कोक ओवन के कोल टावर-6, ब्लास्ट फर्नेस क्रमांक-8 के एक्सियल साइक्लोन, ओएचपी, आरएमपी-3, बीआरएम, रूफ शीटिंग सहित विभिन्न महत्वपूर्ण मरम्मत कार्यों को सुरक्षित रूप से संपन्न करने हेतु पुरस्कृत किया गया। पुरस्कारों में 23 'नियर मिस' तथा 23 'सर्वोत्तम, अनमोल एवं दक्ष' श्रेणी के सुरक्षा पुरस्कार शामिल रहे।

मुख्य अतिथि तापस दासगुप्ता ने पुरस्कार विजेताओं को संबोधित करते हुए यांत्रिकी संगठन द्वारा किए जा रहे सुरक्षित कार्यों की सराहना की तथा संयंत्र में निर्धारित सुरक्षा मानकों के और अधिक कड़ाई से अनुपालन पर बल दिया। उन्होंने अपने उद्बोधन में सड़क सुरक्षा के महत्व को भी रेखांकित करते हुए सभी को सतर्क रहने का आह्वान किया।

इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएँ) देवदत्त सत्पथी ने यांत्रिकी संगठन को वित्तीय वर्ष 2024-25 में शून्य दुर्घटना तथा वित्तीय वर्ष 2025-26 में वर्तमान तिथि 17 जनवरी 2026 तक शून्य दुर्घटना के साथ कार्य संपन्न करने की उपलब्धि पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि शून्य दुर्घटना का यह प्रयास निरंतर जारी रहना चाहिए तथा संपूर्ण संयंत्र को शून्य दुर्घटना क्षेत्र बनाने की दिशा में सभी को मिलकर कार्य करना होगा। साथ ही उन्होंने सुरक्षा के तकनीकी मानकों, विशेष रूप से 'हीरा' एवं 'परमिट टू वर्क' प्रणाली के कड़ाई से अनुपालन पर जोर दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य महाप्रबंधक प्रमोद कुमार ने की। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक टी कृष्णकुमार, मुख्य महाप्रबंधक जेपी सिंह, मुख्य महाप्रबंधक हरीश सचदेव, महाप्रबंधकगण बीडी बाबू, राकेश पांडे, आशीष घोष, पी. जॉन वर्गीस, ज्ञानेश त्रिपाठी, बी.एन. झा, सुनील कुमार, प्रभाकर खोब्रागडे, नबर्शी राय, प्रदीप्ता भौमिक, मेजी मेजर सिंह, जी.एस. राव सहित यांत्रिकी संगठन के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। संचालन उप महाप्रबंधक अनिल कुमार चौरे तथा सहायक महाप्रबंधक के. नीलाधर द्वारा किया गया।

विश्व पुस्तक मेले में 'मुक्तस्वर' के तीन रचनाकारों की पुस्तकें विमोचित

श्रीकंचनपथ समाचार

नई दिल्ली/भिलाई। दिल्ली के भारत मंडपम प्रगति मैदान में आयोजित विश्व पुस्तक मेला में भिलाई के तीन रचनाकारों की पुस्तकों का विमोचन किया गया। 10 जनवरी से लेकर 18 जनवरी 2026 तक आयोजित इस मेले में विश्व भर से पुस्तकें आती हैं। भिलाई से मुक्तस्वर साहित्य समिति के तीन रचनाकार शीशलता शालू, संतोष कुमार जाटव एवं शंकर भट्टाचार्य की कृतियों का विमोचन किया गया।

इन किताबों का प्रकाशन मुक्तस्वर साहित्य समिति के अध्यक्ष गोविन्द पाल के मार्गदर्शन से न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन नई दिल्ली से हुआ है। 16 जनवरी को भारत मंडपम में बारी- बारी से इनका विमोचन किया गया।

विश्व पुस्तक मेले में जिन साहित्यकारों की काव्य संग्रह प्रकाशित हुई है उनमें से, मुक्तस्वर के उपाध्यक्ष- शीशलता शालू की पुस्तक 'शालू के प्यार भरे नगमें' उप-सचिव- शंकर भट्टाचार्य की 'दीवार पर टंगी तस्वीर' एवं मुक्तस्वर के कोषाध्यक्ष - संतोष कुमार जाटव 'जालौनी' की 'फर्ज के दीपक जलायें' पुस्तक का विमोचन किया गया।

विमोचन करने वाले में दिल्ली के सुप्रसिद्ध कथाकार साहित्यकार मुकेश मोहन चन्द्रा, लब्धप्रतिष्ठित साहित्यकार-धर्मेंद्र गुप्ता 'साहिल', साहित्य कार कुलदीप शर्मा, हुस्न तबस्सुम 'निहां,' साहित्यकार योगेश ध्यानी, कवि साहित्यकार सुमित, युवा साहित्यकार आरिफा एविस, वरिष्ठ साहित्यकार गोविन्द पाल के अलावा रेयर अर्थ एटॉमिक रिसर्च सेंटर भारत सरकार के पूर्व डायरेक्टर अरुनाभ राय चौधुरी एवं श्रीमती शिवानी रायचौधुरी आदि लोगों नें मिलकर इन तीनों पुस्तकों का विमोचन संम्पन करवाया।

अर्चना निषाद एवं समृद्धि कौर का विश्व विद्यालय की बॉस्केटबॉल टीम में चयन

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। शासकीय डॉ वावा पाटणकर कन्या महाविद्यालय, दुर्ग की अर्चना निषाद एवं समृद्धि कौर का चयन हेमचंद यादव विश्वविद्यालय की बॉस्केटबॉल टीम हेतु हुआ है। यह प्रतियोगिता दिनांक 15 से 19 जनवरी 2026 तक गोरखपुर दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय में द्वारा आयोजित ईस्ट जोन अंतर विश्वविद्यालीन प्रतियोगिता में अपने खेल का प्रदशन करेगी।

क्रीडाधिकारी डॉ ऋतु दुबे ने बताया कि अर्चना निषाद पिछले वर्ष ईस्ट जोन विजेता टीम की सदस्य है, इस वर्ष राजनादगांव में आयोजित उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट खिलाड़ी रही। समृद्धि कौर की पहली प्रतियोगिता है इससे पहले वह शालेय प्रतियोगिता में हिस्सा ले चुकी है। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ रंजना श्रीवास्तव ने छात्राओं को इस उपलब्धि पर शुभकामनाएं एवं क्रीडासमिति की संयोजिका डॉ सुषमा यादव, सदस्य गणेश राम राम नायक, श्री दीपक ठाकुर एवं महाविद्यालय परिवार ने छात्राओं की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया।

दुर्ग-भिलाई चरोदा रिसाली नगर निगम ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। दुर्ग भिलाई चरोदा रिसाली नगर निगम द्वारा संयुक्त रूप से मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया, दुर्ग भिलाई से ज्ञापन सौंपने वाले पदाधिकारी में स्वायत्तशासी कर्मचारी महासंघ के संयोजक विष्णु चंद्राकर, भारतीय स्वायत्तशासी कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय मंत्री संजय मिश्रा, प्रदेश महामंत्री अनिल सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष रामअवतार साहू, प्रदेश उपाध्यक्ष गोपाल सिन्हा, प्रदेश मंत्री दुर्गेश गुप्ता।

स्वायत्तशासी कर्मचारी महासंघ छत्तीसगढ़ प्रदेश के आव्हान पर आंदोलन के द्वितीय चरण में नगरीय निकाय में व्याप्त कर्मचारियों की समस्याओं के संबंध में मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया।

10 सूत्रीय मांगपत्र में दैनिक वेतन कर्मचारियों को नियनित करने, ठेका प्रथा के तहत हो रहे गोलमाल रोकने, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में नियोजित स्वच्छता दीदी एवं स्वच्छत्ता कर्मियों को कलेक्टर दर पर भुगतान करने की मांग की गई है। इसके साथ ही निकायों से स्वच्छता दीदियों का भविष्य निधि काटने, मध्यप्रदेश की भाति नगरीय निकायों को प्रतिव्यक्ति 105/-रू की घर से चुंगी क्षतिपूर्ति राशि का भुगतान किया जाने की मांग भी की गई है।

नगरीय निकायों में कर्मचारियों के वेतन भुगतान निर्धारित तिथि पर किया जावे। नगरीय निकायों में ओल्ड पेंशन योजना लागू करने तथा छठवें/ सातवें वेतनमान की एरियर्स राशि भुगतान की स्वीकृति देने, निगम कर्मियों को 6.00 लाख तक के ईलाज हेतु कैशलेश की सुविधा प्रदान करने की मांग की गई है। अधिकारियो/कर्मचारियों के लिए नवीन सेटअप स्वीकृत कर पदोन्नति देने की भी मांग की गई है।

नगरीय निकायों में कार्यरत डाटा एंट्री ऑपरेटर, लाईनमैन, वाहन चालक, पंप अटेडेन्ट, सफाई दरोगा, सफाई कामगार एंव प्लंबर के कर्मचारियों को पदोन्नति हेतु चैनल निर्धारण कर नवीन पद स्वीकृत किया जाये ताकि पदोन्नत का लाभ मिल सके। यह भी मांग की गई है कि केन्द्रीय कर्मचारियों को समान आउवों वेतनमान का लाभ नगरीय निकाय के कर्मचारियों को उसी तारीख से दिया जायें।

ग्राम बोरई में लगा एनएसएस का विशेष शिविर

नशा मुक्ति, सड़क सुरक्षा से डिजिटल सुरक्षा तक पर चर्चा

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। श्री शंकराचार्य महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा ग्राम बोरई, नगपुरा में आयोजित सात दिवसीय (7 से 12/01/2026) विशेष शिविर सामाजिक चेतना, सेवा भावना एवं जनजागरूकता के विविध कार्यक्रमों के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह शिविर ग्रामीण विकास, स्वच्छता, स्वास्थ्य, नशा मुक्ति, महिला सशक्तिकरण, सड़क सुरक्षा, डिजिटल एवं कानूनी जागरूकता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर केंद्रित रहा।

शिविर के प्रत्येक दिवस की शुरुआत प्रात: काल प्रभात फेरी, नुक्कड़ नाटक एवं स्वच्छता अभियान से हुई। स्वयंसेवकों द्वारा ग्राम बोरई के सार्वजनिक स्थलों, विद्यालय परिसरों एवं आवासीय क्षेत्रों में श्रमदान कर

स्वच्छता का संदेश दिया गया। नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से नशा मुक्ति, सड़क सुरक्षा, महिला अधिकार एवं सामाजिक कुरीतियों पर प्रभावी जनजागरूकता फैलाई गई।

शिविर के दौरान विभिन्न बौद्धिक परिचर्चाओं एवं व्याख्यान सत्रों का आयोजन किया गया। सड़क सुरक्षा विषय पर दिनेश टांक (सहायक निदेशक एवं नियोजन, राज्य साक्षरता एवं सड़क सुरक्षा) द्वारा प्रभावशाली व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। डिजिटल साक्षरता पर डॉ. लीना साहू डॉ. लीना साहू (जिला संगठक - बालोद) तथा कानूनी अधिकारों पर एडवोकेट गौरी गुहा (विधिक साक्षरता) द्वारा ग्रामीणों एवं स्वयंसेवकों को महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

लैंगिक समानता एवं सामाजिक समावेशन विषय पर डा. सुचित्रा शर्मा द्वारा ट्रांसजेंडर विविधीकरण एवं लिंग समानता पर विचार प्रस्तुत किए गए। वहीं डॉ. मानसी गुलाटी (स्त्री रोग विशेषज्ञ) ने स्त्री रोग विषयों एवं नशा मुक्ति पर विशेष फोकस करते हुए महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया।

आर्ट ऑफ लिविंग संस्था के प्रशिक्षकों द्वारा आयोजित योग एवं प्राणायाम सत्र आयोजित किया गया । प्रशिक्षकों ने योग, प्राणायाम और ध्यान के माध्यम से शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को रेखांकित किया तथा तनावमुक्त और संतुलित जीवन शैली अपनाने के लिए प्रतिभागियों को प्रेरित किया।

ओपन हाफ मैराथन 8 फरवरी को, भिलाई इस्पात संयंत्र की पहल

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) द्वारा खेल, स्वास्थ्य एवं सामुदायिक सहभागिता को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल करते हुए रविवार, 8 फरवरी 2026 को ओपन हाफ मैराथन का भव्य आयोजन किया जा रहा है।

यह आयोजन न केवल स्टील सिटी भिलाई के लिए गौरवपूर्ण क्षण होगा, बल्कि देशभर के धावकों एवं फिटनेस प्रेमियों के लिए एक प्रेरणादायी मंच भी प्रदान करेगा। इस हाफ मैराथन में तीन प्रतिस्पर्धात्मक श्रेणियाँ—21 किलोमीटर, 10 किलोमीटर तथा 5 किलोमीटर—निर्धारित की गई हैं, ताकि अनुभवी एथलीटों के साथ-साथ शौकिया धावक, युवा वर्ग एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक नागरिक भी उत्साहपूर्वक भाग ले सकें। खेल भावना एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 21 किमी, 10 किमी एवं 5 किमी की सभी श्रेणियों में पुरुष एवं महिला प्रतिभागियों के लिए पृथक-पृथक आकर्षक नकद पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। व्यापक सहभागिता एवं खेल उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 21 किमी, 10 किमी एवं 5 किमी की सभी श्रेणियों में पुरुष एवं महिला प्रतिभागियों के लिए पृथक-पृथक आकर्षक नकद पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर

अब 6-8 फरवरी तक होगा बस्तर पंडुम का संभाग स्तरीय आयोजन

रायपुर। बस्तर पंडुम के संभाग स्तरीय आयोजन की तिथि में आंशिक संशोधन किया गया है। छत्तीसगढ़ शासन के संस्कृति विभाग द्वारा जारी आदेश के तहत अब इसका आयोजन 6-8 फरवरी तक संभागीय मुख्यालय जगदलपुर में होगा, जहां जिला स्तर पर बस्तर पंडुम के अतंर्गत आयोजित 12 विधाओं के विजेता दल एवं कलाकार शामिल होंगे। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की विशेष पहल पर जनजातीय बहुल बस्तर संभाग की लोक-संस्कृति, परंपरा और विरासत को राष्ट्रीय पहचान दिलाने की दिशा में यह लगातार दूसरे वर्ष बस्तर पंडुम का गरिमामय आयोजन हो रहा है। बस्तर पंडुम-2026 का तीन चरणों में आयोजन जनपद, जिला एवं संभाग स्तर पर 12 विधाओं में प्रतियोगिता के तौर पर किया जा रहा है। इस आयोजन से बस्तर अंचल की लोककला, शिल्प, नृत्य, गीत-संगीत, पारंपरिक व्यंजन, बोली-भाषा, वेश-भूषा, आभूषण, वाद्य यंत्र, नाट्य एवं जनजातीय जीवन-पद्धति के संरक्षण और संवर्धन का एक भव्य मंच मिला है। बस्तर पंडुम-2026 में बस्तर संभाग के सभी सात जिले बस्तर, दंतेवाड़ा, सुकमा, बीजापुर, कांकेर, कोण्डागांव एवं नारायणपुर के कलाकार भाग ले रहे हैं। इसके प्रथम चरण का आयोजन जनपद स्तर 10 जनवरी से हो रहा है। जनपद स्तरीय स्पर्धाएं 20 जनवरी तक पूरी हो जाएंगी। इसके बाद 24-29 जनवरी तक जिला स्तरीय तथा संशोधित तिथि के अनुसार 6-8 फरवरी तक बस्तर पंडुम का संभाग स्तरीय आयोजन होगा।

रायगढ़ में विकास परियोजनाओं की प्रगति का वित्त मंत्रीओपी चौधरी ने किया निरीक्षण

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की विकासोन्मुखी दृष्टि के अनुरूप रायगढ़ शहर को आधुनिक स्वरूप देने की दिशा में राज्य सरकार तेजी से काम कर रही है। इसी क्रम में वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओपी चौधरी ने आज शहर में निर्माणाधीन विभिन्न विकास परियोजनाओं का निरीक्षण किया और उनकी प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। श्री चौधरी ने अधिकारियों और इंजीनियरों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता और पारदर्शिता के साथ पूर्ण किए जाएं। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मंत्री ने बताया कि अधिकांश परियोजनाएं तेज गति से आगे बढ़ रही हैं और अगले एक वर्ष के भीतर कई महत्वपूर्ण कार्य दृश्यमान हो जाएंगे। निरीक्षण के दौरान महापौर जीवर्धन चौहान, कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी, जिला पंचायत सीईओ अभिजीत बबन पठारे, नगर निगम आयुक्त बृजेश सिंह क्षत्रिय सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। वित्त मंत्री ने शहर के इतवारी बाजार और कबीर चौक में बन रहे ऑक्सीजोन का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि ये हरित क्षेत्र नागरिकों को स्वच्छ, शांत और सुरक्षित वातावरण प्रदान करेंगे तथा योग, सैर और व्यायाम जैसी गतिविधियों के लिए आदर्श स्थल बनेंगे। शहर में ओवरब्रिजों पर बनाए जा रहे भित्तिचित्रों और कलात्मक पेंटिंग की गुणवत्ता की सराहना करते हुए उन्होंने इसे रायगढ़ की सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करने वाली पहल बताया। वित्त मंत्री ने नालंदा परिसर में 40 करोड़ रुपए की लागत से बन रही अत्याधुनिक लाइब्रेरी की प्रगति का भी जायजा लिया। उन्होंने कहा कि यह लाइब्रेरी विद्यार्थियों और प्रतियोगी परीक्षा अभ्यर्थियों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर का अध्ययन केंद्र बनेगी, जिसमें अत्याधुनिक तकनीक और ई-रीडिंग सुविधाएं उपलब्ध होंगी। पहाड़ मंदिर पहुंचकर वहाँ प्रस्तावित पर्यटन विकास योजनाओं पर अधिकारियों से विस्तृत चर्चा की।

किसानों को धान उपार्जन केन्द्रों में धान की बिक्री में नहीं होनी चाहिए दिक्कतः कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में धान खरीदी के दृष्टिगत ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों, पटवारियों, समिति प्रबंधक एवं डाटा एण्ट्री ऑपरेटरों की बैठक ली। कलेक्टर ने कहा कि धान खरीदी का कार्य शासन का महत्वपूर्ण कार्य है और सभी इसे प्राथमिकता देते हुए कार्य करेंगे।

उन्होंने धान खरीदी के लिए बचे हुए शेष दिनों में कार्यों में गति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी कर्मचारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि वास्तविक किसानों की शुद्ध धान की खरीदी करें। इसमें किसी प्रकार की गलती नहीं होनी चाहिए। सत्यापन के दौरान किसानों से अच्छा व्यवहार रखने के निर्देश दिए। वास्तविक किसान की शुद्ध धान की खरीदी करने के लिए सभी ईमानदारी एवं सतर्क होकर कार्य करें। किसानों को धान उपार्जन केन्द्रों में धान की बिक्री में दिक्कत नहीं होनी चाहिए और उनकी समस्याओं का समाधान होना चाहिए। धान की एन्ट्री, भौतिक सत्यापन एवं निरीक्षण के कार्य लगातार करते रहे। उन्होंने सभी अधिकारयों को कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने धान खरीदी के कार्य के दौरान लापरवाही एवं अनियमितता पाए जाने पर संबंधित कर्मचारियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने बताया कि अंतर्राज्यीय सीमाओं में चेक पोस्ट पर कोचियों एवं बिचौलियों द्वारा धान के अवैध परिवहन को रोकने के लिए सघन निरीक्षण किया जा रहा है। उन्होंने कोचियों एवं बिचौलियों के अवैध धान के परिवहन तथा संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी मिलने पर तत्काल सूचना देने कहा। उन्होंने सभी को सजग होकर ईमानदारी से कार्य करने को कहा। कलेक्टर ने अवैध धान खपाने का प्रयास करने वाले कोचियों एवं बिचौलियों पर निडर होकर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों, पटवारियों, डाटा एन्ट्री ऑपरेटरों और समिति प्रबंधकों को बेहतर कार्य करने के निर्देश दिए।

प्रधानमंत्री आवास योजना ने बदली बेमेतरा के किसान परिवार की जिंदगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जनपद पंचायत बेरला, जिला बेमेतरा के निवासी रेवा राम साहू पिता जगत राम साहू आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग से संबंध रखते हैं। उनका नाम प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत निर्माण वर्ष 2024-25 में स्वीकृत हुआ। यह स्वीकृति उनके जीवन में एक नए अध्याय की शुरुआत साबित हुई। रेवा राम साहू अपने पूरे परिवार के साथ एक कच्चे और अत्यंत जर्जर मकान में जीवन यापन कर रहे थे।

प्र.म.आ.यो.ग्रा.अतर्गत निर्मित नवीन मकान

मकान की हालत इतनी खराब थी कि बरसात के दिनों में छत से लगातार पानी टपकती थी। कई बार हालात ऐसे हो जाते थे कि पूरा परिवार रात-रात भर जागने को मजबूर हो जाता था। कच्चे मकान में सांप, बिच्छू और अन्य जहरीले जीवों का खतरा हमेशा बना रहता था। बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा को लेकर परिवार के मन में लगातार भय बना रहता था। यह मकान केवल रहने की जगह नहीं, बल्कि हर दिन चिंता और असुरक्षा का कारण बन चुका था।

आर्थिक मजबूरी और अधूरा सपना

परिवार की आर्थिक स्थिति अत्यंत कमजोर होने के कारण पक्का मकान बनवाना उनके लिए सिर्फ एक सपना था। मजदूरी और सीमित आमदनी में परिवार का पालन-पोषण करना ही बड़ी चुनौती थी। ऐसे में पक्के मकान की कल्पना करना भी असंभव लगता था। रेवा राम साहू बताते हैं कि कई बार लगा कि शायद यह सपना कभी पूरा नहीं हो पाएगा, लेकिन मन में एक उम्मीद जरूर थी कि कभी न कभी हालात बदलेंगे।

प्रधानमंत्री आवास योजनाः उम्मीद की नई किरण

जब प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत उनके नाम से आवास स्वीकृत हुआ, तो यह खबर पूरे परिवार के लिए खुशियों का संदेश लेकर आई। जैसे ही पहली किस्त की राशि बैंक खाते में प्राप्त हुई, परिवार की वर्षों पुरानी चिंता आशा में बदल गई। योजना की सहायता से बिना किसी देरी के आवास निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया। शासन द्वारा समय-समय पर मार्गदर्शन और सहायता मिलती रही, जिससे निर्माण कार्य सुचारु रूप से आगे बढ़ता गया।

सपनों का पक्का घर हुआ साकार

आज रेवाराम साहू का पक्का, सुरक्षित और मजबूत मकान पूरी तरह बनकर तैयार है। अब बरसात, ठंड या गर्मी किसी भी मौसम में परिवार को परेशानी नहीं होती। बच्चों को सुरक्षित माहौल मिला है और परिवार चैन की नींद सो पा रहा है। यह घर सिर्फ ईंट-सीमेंट की दीवारें नहीं है, बल्कि सम्मान, सुरक्षा और आत्मविश्वास की पहचान बन गया है। जिस सुकून की तलाश वर्षों से थी, वह अब इस घर के साथ उन्हें मिला है। रेवा राम साहू भावुक होकर कहते हैं, यह सिर्फ एक मकान नहीं है, यह हमारे सपनों और आत्मसम्मान की छत है। इस घर ने हमें वह सम्मान दिया है, जो पहले कभी महसूस नहीं हुआ। अब हम समाज में सिर उठाकर जी पा रहे हैं। रेवा राम साहू अपने परिवार सहित प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करते हैं।

उनका कहना है कि प्रधानमंत्री आवास योजना ने हमारे परिवार का जीवन ही संवार दिया। आज जो सुरक्षित भविष्य हमें मिला है, वह सरकार की जनकल्याणकारी सोच का परिणाम है। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण केवल एक आवास योजना नहीं, बल्कि गरीब और जरूरतमंद परिवारों के जीवन में स्थायित्व, सुरक्षा और सम्मान लाने का सशक्त माध्यम है। रेवाराम साहू की कहानी इस बात का जीवंत उदाहरण है कि सही नीति और संवेदनशील शासन से आम नागरिक के सपनों को हकीकत में बदला जा सकता है।

8 महीने में 70 से अधिक बार डायलिसिस, वह भी निःशुल्क

बुजुर्ग मरीज के लिए वरदान बनी जिला अस्पताल की निःशुल्क डायलिसिस सेवा, दो लाख से अधिक की हुई बचत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पिछले आठ महीनों में 70 से अधिक बार निःशुल्क डायलिसिस। यह सिर्फ एक आंकड़ा नहीं, बल्कि 65 वर्षीय कुमार भास्कर के लिए हर बार जीवन को थामे रखने की एक नई कोशिश है। अगर यही इलाज किसी निजी अस्पताल में होता, तो दो लाख रुपये से ज्यादा का खर्च आता, जो उनके और उनके परिवार के लिए असंभव था। आज वे बिना आर्थिक डर के नियमित इलाज करा पा रहे हैं और टूट चुकी उम्मीदों को फिर से जोड़ रहे हैं।

कबीरधाम जिले के ग्राम कवलपुर, कुंडा क्षेत्र निवासी श्री भास्कर लंबे समय से किडनी रोग से जूझ रहे हैं। बीमारी का पता चलने के बाद शुरुआत में उन्हें इलाज के लिए रायपुर जाना पड़ता था। दूर का सफर, इलाज का खर्च और कमजोरी की हालत में अकेले आना-जाना उनके लिए बहुत मुश्किल था। किसानी करने वाले उनके दोनों बेटों की कमाई इलाज में ही खत्म हो जाती थी। कई बार पैसों की कमी के कारण जरूरी डायलिसिस भी नहीं हो पाता था। लेकिन जब उन्हें जिला अस्पताल कबीरधाम में निःशुल्क डायलिसिस सुविधा की जानकारी मिली, तो उन्होंने यहीं इलाज शुरू कराया। अब उन्हें न तो बाहर जाना पड़ता है और न ही इलाज के खर्च की चिंता रहती है। समय पर डायलिसिस मिलने से उनकी सेहत में भी सुधार आ रहा है।

जिला अस्पताल कबीरधाम में शुरू की गई निःशुल्क डायलिसिस सुविधा आज जरूरतमंद मरीजों के लिए बड़ी राहत बन गई है। निजी अस्पतालों में एक बार डायलिसिस कराने पर 2 से 3 हजार रुपये तक खर्च आता है। लेकिन अब निःशुल्क डायलिसिस से नए जीवन की उम्मीद बनी है। जिले में इस सुविधा से अब तक 123 मरीज लाभान्वित हो चुके हैं।

झोपड़ी में संचालित शाला के लिए बन गया पक्का भवन

छत्तीसगढ़ सरकार 'नियद नेल्ला नार' योजना बनी आधार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी नियद नेल्ला नार योजना अंतर्गत शिक्षा के क्षेत्र में एक और उल्लेखनीय उपलब्धि जुड़ गई है। बीजापुर जिले के दूरस्थ ग्राम बकनागुलगुड़ा में निर्मित नवीन प्राथमिक शाला भवन का पूजा-अर्चना के साथ भव्य उद्घाटन हो गया। यह क्षण न केवल विद्यालय परिवार, बल्कि संपूर्ण ग्रामवासियों के लिए ऐतिहासिक एवं उल्लासपूर्ण रहा। ग्रामीणों ने नवीन विद्यालय भवन को क्षेत्र के उज्ज्वल भविष्य की नींव बताते हुए शासन की इस पहल के प्रति आभार व्यक्त किया।

वर्षों तक झोपड़ी में संचालित यह प्राथमिक विद्यालय अब एक सुसज्जित, सुरक्षित एवं पक्के भवन में संचालित होगा। इससे बच्चों को गुणवत्तापूर्ण, सुरक्षित और अनुकूल शैक्षणिक वातावरण मिलेगा। बच्चों में शिक्षा के प्रति ललक बढ़ेगी। यह परिवर्तन शासन-प्रशासन द्वारा शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दिए जाने का प्रमाण है।

गौरतलब है कि नियद नेल्ला नार योजना के तहत अंदरूनी एवं दूरस्थ अंचलों में बुनियादी सुविधाओं और अधोसंरचना का तीव्र गति से विस्तार किया जा रहा है। जहां एक ओर ग्रामीणों के आवश्यक दस्तावेज सरलता से बनाए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर वर्षों से वंचित शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, विद्युत, सड़क जैसी आधारभूत सुविधाओं को धरातल पर साकार किया जा रहा है। बकनागुलगुड़ा के प्राथमिक शाला का यह नवनिर्मित भवन शिक्षा और सामाजिक विकास की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

राजिम कुंभ की तैयारियां तेजः मंत्री राजेश अग्रवाल ने आवासीय कार्यालय में की विस्तृत समीक्षा बैठक

राजिम कुंभ को गरिमा और भव्यता से संपन्न कराने दिए अधिकारियों को निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने नवा रायपुर स्थित आवासीय कार्यालय में राजिम कुम्भ (कल्प) मेला-2026 के तैयारियों की गहन समीक्षा की। श्री अग्रवाल ने संबंधित अधिकारियों को पेयजल, शौचालय, स्वास्थ्य सेवाएं, सुरक्षा, आवागमन, पार्किंग, बिजली और लाइटिंग पर विशेष ध्यान देने को कहा।

उन्होंने मेला क्षेत्र के प्रवेश मार्गों की मरम्मत, साफ-सफाई, अस्थाई शौचालय और चिकित्सा शिविर समय पर तैयार करने के आदेश दिए। भीड़ प्रबंधन, ट्रैफिक कंट्रोल और सुरक्षा के लिए विस्तृत प्लान बनाने को कहा। मेला स्थल पर सीसीटीवी कैमरे, कंट्रोल रूम और सुरक्षाकर्मियों की तैनाती प्रभावी बनाने पर जोर दिया। स्वास्थ्य विभाग को एंबुलेंस, मोबाइल मेडिकल यूनिट और प्राथमिक उपचार केंद्र उपलब्ध कराने निर्देशित किया। मंत्री श्री अग्रवाल ने 1 से 15 फरवरी तक गरियाबंद जिले के त्रिवेणी संगम पर लगने वाले इस विशाल धार्मिक आयोजन को पूर्ण गरिमा, दिव्यता और भव्यता के साथ संपन्न करने के निर्देश दिए। मंत्री अग्रवाल ने सभी अधिकारियों को समय पर और पारदर्शी तरीके से हर व्यवस्था पूरी करने को कहा। उन्होंने जोर देकर कहा कि लाखों श्रद्धालुओं को कोई परेशानी न हो। बैठक में सुरक्षा, स्वच्छता, जल प्रबंधन, सड़कें, पार्किंग, बसें, संतों के लिए विश्राम गृह, कांवड़ियों के शेड, चिकित्सा केंद्र, भोजन व्यवस्था, दाल-भात कार्यक्रम, भक्ति संगीत, लोकनृत्य, अखाड़ा जुलूस और मीना बाजार जैसी सभी सुविधाओं की बारीकी से जांच की गई। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि राजिम कुंभ कल्प मेला-2026 को हम गरिमा, दिव्यता और भव्यता के साथ संपन्न करेंगे। सभी विभाग समयसीमा में अपने काम पूरे करें। श्रद्धालुओं को हर सुविधा मिले, यही हमारा लक्ष्य है। यह मेला छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक धरोहर को नई ऊंचाई देगा।

बैठक में रायपुर संभागायुक्त महादेव कावरे, कलेक्टर गरियाबंद बीएस उइके, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के डिप्टी डायरेक्टर प्रताप चंद्र पारख, सीएचएमओ हेल्थ गरियाबंद, एसडीएम गरियाबंद एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

आकांक्षी ब्लॉक गौरेला में चल रहे योजनाओं और नवाचार कार्यक्रमों का नीति आयोग के केंद्रीय प्रभारी अधिकारी भरत भूषण वर्मा ने किया मूल्यांकन

महिलाओं की कलात्मक दक्षता एवं पारंपरिक शिल्पकला से हुए प्रभावित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय भारत सरकार के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी तथा आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रमों के केंद्रीय प्रभारी अधिकारी भरत भूषण वर्मा ने जिला प्रवास के दूसरे दिन स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्र एवं स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण एवं मूल्यांकन किया। यह भ्रमण विभिन्न विकास सूचकांकों की प्रगति, संतृप्ति एवं जमीनी स्तर पर हो रहे नवाचारों के प्रत्यक्ष अवलोकन के उद्देश्य से किया गया।

श्री वर्मा के द्वारा ग्राम पंचायत लमना का भ्रमण किया गया। यहां इको-टूरिज्म के अंतर्गत विकसित मड हाउस अवधारणा को समझा, जिसमें स्व सहायता समूहों की महत्वपूर्ण भूमिका सामने आई। इस नवाचार से स्थानीय समूहों को सतत रोजगार प्राप्त हो रहा है, जिससे आजीविका सशक्तिकरण को बल मिला है।

उन्होंने लमना में स्थानीय महिला कारीगरों द्वारा निर्मित मिट्टी के बर्तनों का अवलोकन किया और महिलाओं की कलात्मक दक्षता एवं पारंपरिक शिल्पकला से प्रभावित हुए। भ्रमण के दौरान आंगनवाड़ी केंद्र एवं बस्ती पंचायत का भी निरीक्षण किया गया, जहां बच्चों की विशेष गतिविधियों के माध्यम से पोषण के साथ-साथ शिक्षा के उत्कृष्ट उदाहरण देखने को मिले। इसके बाद हायर सेकेंडरी स्कूल बस्ती का दौरा किया गया। यहां श्री वर्मा द्वारा विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी पढ़ाई, भविष्य की योजनाओं, उम्मीदों और सपनों पर विस्तार से चर्चा की गई और आगामी बोर्ड परीक्षा में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी। केंद्रीय प्रभारी अधिकारी ने एनक्यूएएस प्रमाणित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बस्ती का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की संपूर्ण व्यवस्था का गहन मूल्यांकन किया तथा एंटीनेटल जांच, गर्भावस्था परीक्षण एवं संस्थागत प्रसव से संबंधित व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी ली।

भ्रमण के अंतिम चरण में लमना आंगनवाड़ी केंद्र में न्योता भोज कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें आंगनवाड़ी केंद्रों के बच्चों को सम्पूर्ण पोषक तत्वों से युक्त भोजन प्रदान किया गया। यह कार्यक्रम जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी अमित सिन्हा, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ रामेश्वर शर्मा, खण्ड शिक्षा अधिकारी डॉ संजीव शुक्ला, जिला सूचना अधिकारी एवं पर्यवेक्षकों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। भ्रमण के दौरान आकांक्षी ब्लॉक फेलो मनीष श्रीवास द्वारा विषय की गंभीरता को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करते हुए आकांक्षी ब्लॉक गौरेला की प्रगति के प्रमुख बिंदुओं की विस्तार से जानकारी दी गई।

तमन्ना भाटिया की धांसू फिल्में तैयार, एक में 900 करोड़ी इस हीरोइन के साथ मचाएंगी धमाल

सिनेमा की दुनिया में अपनी अदाकारी, डांस और ग्लैमर से जगह बनाने वाली तमन्ना भाटिया साउथ और बॉलीवुड में अपनी खास जगह बना चुकी हैं। स्त्री 2 के गाने आज की रात से सोशल मीडिया पर तहलका मचाने वाली तमन्ना आने वाले दिनों में अपनी नई फिल्मों और नए किरदारों से दर्शकों को बेहद रोमांचक सफर पर ले जाने वाली हैं। तमन्ना 36 साल की हो गई हैं। एक नजर तमन्ना भाटिया की आने वाली चर्चित फिल्मों पर।

विशाल भारद्वाज के निर्देशन में बन रही फिल्म ओ रोमियो के हीरो शाहिद कपूर हैं। इसमें तमन्ना बेहद अहम भूमिका निभा रही हैं। ये पहला मौका होगा, जब तमन्ना को शाहिद कपूर के साथ देखा जाएगा। ओ रोमियो में तमन्ना के साथ 900 करोड़ी एनिमल दे चुकीं तृप्ति डिमरी भी होंगी। विक्रांत मैसी और दिशा पाटनी भी फिल्म का हिस्सा हैं। साजिद नाडियाडवाला फिल्म के निर्माता हैं। ये फिल्म 13 फरवरी, 2026 को वैलेंटाइन डे के मौके पर रिलीज होगी।

भारतीय सिनेमा के दिग्गज फिल्म निर्देशक वी शांताराम की बायोपिक फिल्म भी तमन्ना के खाते से जुड़ी है, जो उनके करियर की दिशा और दशा दोनों बदलकर रख देगी। सिद्धांत चतुर्वेदी इस फिल्म में वी शांताराम की भूमिका निभा रहे हैं और तमन्ना इसमें शांतारम की पत्नी और अभिनेत्री जयश्री का किरदार निभाएंगी। फिल्म से उनकी पहली शानदार झलक भी सामने आ चुकी है। अभिजीत देशपांडे के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में फरदीन खान भी हैं। तमन्ना फिल्म रेंजर में भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ अजय देवगन हैं, जो पहले फिल्म हिम्मतवाला में तमन्ना के साथ दिखे थे। मिशन मंगल वाले जगन शक्ति रेंजर का निर्देशन कर रहे हैं। उधर निर्माता एकता कपूर की हॉरर फ्रेंचाइजी रागिनी एमएमएस की तीसरी किस्त में अब तमन्ना लीड रोल में होंगी। ये हॉरर-कॉमेडी होगी और तीसरे भाग को इस फ्रेंचाइजी की अब तक की सबसे बड़ी फिल्म बनाने की योजना है। एकता की एक और फिल्म वन फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट में भी तमन्ना मुख्य भूमिका निभा रही हैं। इस फिल्म में उनकी जोड़ी अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ बनी है। ये फिल्म 15 मई, 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

कंगना की रहमान को खरी-खरी

कहा - 'आपने मुझसे मिलने तक से इंकार कर दिया था'

एआर रहमान हाल ही में म्यूजिक इंडस्ट्री के लेकर दिए गए अपने बयान पर घिरते नजर आ रहे हैं। जब से उन्होंने यह बयान दिया है तभी से उन्हें सेलेब्स की तीखी प्रतिक्रिया झेलनी पड़ रही है। अब इस मामले में मंडी से बीजेपी सासंद और अभिनेत्री कंगना रनौत ने बयान दिया है।

ऑस्कर विजेता एआर रहमान ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में म्यूजिक इंडस्ट्री के बदलते रुप और इसमें मिलते धर्म के रंग पर बात की। रहमान ने कहा कि बीते कुछ सालों में इंडस्ट्री में सांप्रदायिकता बढ़ी है। अब उनके इस बयान ने काफी तूल पकड़ लिया है। इंडस्ट्री के कलाकारों समेत हिंदूवादी संगठन भी इस विवाद में कूद पड़े हैं।

कंगना रनौत ने किया कड़ा विरोध

सांप्रदायिकता को लेकर दिए गए रहमान के इस बयान की बीजेपी सासंद और अभिनेत्री कंगना रनौत ने कड़ी आलोचना की। अभिनेत्री ने एक स्टोरी शेयर करते हुए लिखा 'प्रिय रहमान जी, मुझे फिल्म इंडस्ट्री में एक भगवा पार्टी को सपोर्ट करने की वजह से बहुत ज्यादा भेदभाव और पक्षपात का सामना करना पड़ता है, फिर भी मुझे कहना होगा कि मैंने आपके जैसा पूर्वाग्रही और नफरत करने वाला इंसान नहीं देखा।'

साझा किया 'इमरजेंसी' से जुड़ा किस्सा

आगे कंगना ने लिखा, 'मैंने आपको अपनी डायरेक्टोरियल फिल्म 'इमरजेंसी' की कहानी सुनाना चाहती थी। कहानी सुनना तो दूर, आपने मुझसे मिलने से भी इंकार कर दिया था। मुझे बताया गया कि आप किसी प्रोपेगेंडा फिल्म का हिस्सा नहीं बनना चाहते। विडंबना यह है कि 'इमरजेंसी' को सभी क्रिटिक्स ने एक मास्टरपीस कहा, यहां तक कि विपक्षी पार्टी के नेताओं ने भी मेरी फिल्म की तारीफ करते हुए फैन लेटर भेजे, लेकिन आप अपनी नफरत में अंधे हो चुके हैं।

ररहमान के किस बयान पर हुआ विवाद

बीते दिनों बीबीसी एशियन को दिए अपने इंटरव्यू में ए आर रहमान ने कहा कि उन्होंने हमेशा यही सोचा कि उन्हे प्रोजेक्टस के पीछे नहीं भागना है। काम के प्रति उनकी लगन ही उन्हें काम दिलवाने के लिए पर्याप्त है। आगे रहमान ने कहा कि पिछले आठ साल से वो देख रहे हैं की म्यूजिक इंडस्ट्री की कमान ऐसे हाथों में है जो क्रिएटिव नहीं हैं।

पुलओवर को स्टाइलिश तरीके से पहनने के लिए अपनाएं ये 5 तरीके

पुलओवर एक ऐसा कपड़ा है, जो न केवल आपको गर्म रखता है, बल्कि स्टाइलिश भी दिखाता है। यह कपड़ा पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए आदर्श है। पुलओवर को अलग-अलग तरीकों से पहना जा सकता है ताकि आपका लुक हमेशा खास लगे। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे स्टाइलिंग टिप्स देते हैं, जिन्हें अपनाकर आप अपने पुलओवर को अलग-अलग तरीकों से पहन सकते हैं और हर बार नए लुक पा सकते हैं।

जींस के साथ पुलओवर पहनें

पुलओवर को जींस के साथ पहनना एक बढ़िया तरीका है। यह मेल न केवल आरामदायक है, बल्कि आपको एक स्मार्ट लुक भी देता है। आप अपने पुलओवर को हल्की या गहरी जींस के साथ पहन सकते हैं। अगर आप चाहें तो ऊपर से एक हल्की जैकेट भी पहन सकते हैं, जिससे आपका लुक और भी आकर्षक लगेगा। इस तरह का पहनावा रोजमर्रा की जिंदगी में बहुत काम आता है और आपको स्टाइलिश दिखाता है।

स्कर्ट के साथ करें मेल

अगर आप किसी खास मौके पर जाना चाहते हैं तो अपनी पसंदीदा स्कर्ट के साथ पुलओवर पहनें। यह मेल आपको एक अलग ही अंदाज देता है। आप लंबी स्कर्ट या छोटी स्कर्ट दोनों के साथ इसे पहन सकते हैं। अगर आपकी स्कर्ट हल्की रंग की है तो गहरे रंग का पुलओवर चुनें और इसके विपरीत भी कर सकते हैं। इसके साथ ही हल्के गहने और प्लेन जूते पहनें ताकि आपका लुक पूरा हो सके।

छोटे पैंट के साथ दिखें आकर्षक

गर्मियों में भी आप पुलओवर को छोटे पैंट के साथ पहन सकते हैं। यह आपको ठंडक देने के साथ-साथ स्टाइलिश भी दिखाएगा। सूती छोटे पैंट के साथ ऊनी या एराकन पुलओवर का मेल बहुत अच्छा लगता है। आप चाहें तो इसे किसी पार्टी या बाहर जाने के लिए भी पहन सकते हैं। इसके साथ हल्के गहने और आरामदायक जूते पहनें ताकि आपका लुक पूरा और आकर्षक लगे। यह पहनावा आपको गर्मियों में भी ठंडक देगा और स्टाइलिश दिखाएगा।

लेयरिंग का करें इस्तेमाल

लेयरिंग हमेशा फैशन में रहती है। आप अपने पुलओवर के ऊपर एक हल्की जैकेट या कोट पहन सकते हैं, जो आपके लुक को और भी खास बनाएगा। इसके अलावा आप चाहें तो नीचे हल्की टी-शर्ट भी पहन सकते हैं, जिससे आपको अतिरिक्त आराम मिलेगा और आपका लुक भी बेहतरीन लगेगा। इस तरह की लेयरिंग आपके पहनावे को न केवल स्टाइलिश बनाती है बल्कि आपको ठंड से भी बचाती है। यह तरीका हर मौसम में उपयुक्त रहता है।

गहनों से करें पूरा

पुलओवर को पूरा करने के लिए सही गहनों का चुनाव बहुत जरूरी होता है। एक अच्छी घड़ी या बेल्ट आपके लुक को पूरा कर सकती है। इसके अलावा आप चाहें तो कानों में छोटे झुमके या कंधे पर एक छोटा बैग भी ले जा सकते हैं। इस तरह से आप अपने पुलओवर को विभिन्न तरीकों से पहनकर हर बार नया और खास लुक पा सकते हैं। इन सभी तरीकों से आप अपने फैशन को नया रंग दे सकते हैं।

भूमि पेडनेकर की सीरीज दलदल का पोस्टर जारी, अमेजन प्राइम वीडियो पर 30 जनवरी को होगी रिलीज

बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि पेडनेकर फिल्मों के साथ-साथ ओटीटी पर अपना दबदबा कायम कर चुकी हैं। पिछले काफी समय से उनकी आगामी वेब सीरीज दलदल चर्चा में हैं, जिसका निर्देशन अमृत राज गुप्ता ने किया है। लोगों का उत्साह बढ़ाने के लिए निर्माताओं ने फिल्म का पहला आधिकारिक पोस्टर जारी किया है।

साथ में रिलीज तारीख का ऐलान भी किया गया है। दलदल मनोवैज्ञानिक क्राइम-थ्रिलर सीरीज है, जिसका अनावरण 56वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई 2025) में किया गया था।

दलदल का पोस्टर जारी करते हुए अमेजन प्राइम वीडियो ने लिखा, जितना आप इससे लड़ेंगे, उतना ही यह आपको अपनी ओर खींचता चला जाएगा... पोस्टर में एक शख्स का खून से लथपथ चेहरा दिखता है, जिसने अपने होंठ के बीच एक मोबाइल दबाया हुआ है। इससे साफ है कि सीरीज में काफी हिंसक और खौफनाक दृश्य शामिल होंगे। सुरेश त्रिवेणी द्वारा निर्मित दलदल विश धमीजा के उपन्यास भिंडी बाजार पर आधारित है। इसका प्रीमियर 30 जनवरी को होगा।

दिल तो कश्मीर में ही बसता है, बिग बॉस 19 फेम फरहाना ने अपनी मातृभूमि के लिए जताया अटूट प्रेम

जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर की रहने वाली फरहाना ने बिग बॉस 19 में शानदार प्रदर्शन किया। फरहाना ने कश्मीर के प्रति अपने प्रेम को व्यक्त किया। फरहाना का कहना है कि बिग बॉस से निकलने के बाद वे अगर कहीं जाना चाहती थीं तो वह कश्मीर है, क्योंकि यह उनकी मातृभूमि है, जहां से वे जुड़ी हैं और वहीं उनका दिल बसता है। उन्होंने कहा, बिग बॉस से बाहर आने के बाद यह मेरी कश्मीर की पहली यात्रा है।

यह अनुभव बहुत अलग और खास है। मैंने कई देशों और राज्यों की सैर की है, लेकिन मैंने अपनी टीम से साफ कह दिया था कि सबसे पहले मुझे कहीं जाना है तो वह मेरा कश्मीर ही होगा। यह मेरी मातृभूमि है, जहां से मैं जुड़ी हूं।

अभिनेत्री ने बताया कि वह यह जानना चाहती थीं कि कश्मीर के लोग उन पर काफी गर्व करते हैं या नहीं, क्या वे उनसे प्यार करते हैं या नहीं।

फरहाना ने कहा, मेरी टीम मुझे लगातार बताती रहती थी कि कश्मीर के लोग तुम पर बहुत गर्व करते हैं और साथ ही खूब सपोर्ट भी करते हैं। मैंने जब यह सुना तो मैं हैरान हो गई थी। घर पहुंचकर जब मैंने पूछा कि यहां क्या चल रहा है, तो सबने बताया कि लोग तुम्हें बहुत प्यार और सपोर्ट दे रहे हैं।

इसी के साथ फरहाना ने अपने पुराने अनुभवों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, मैंने बॉलीवुड में लैला मजनू और नोटबुक जैसी फिल्मों में काम किया, लेकिन तब लोगों ने मुझे उतना पसंद नहीं किया था। शायद इसलिए क्योंकि मैं सिर्फ एक किरदार निभा रही थी, लेकिन इस बार बिग बॉस जैसे रियलिटी शो में लोगों ने मेरा असली रूप देखा, मेरी सच्ची पहचान जानी, इसलिए उन्होंने मुझे इतना प्यार दिया।

खास खबर

नहीं हो रही है धान खरीदी में कोई परेशानीः किसान इंद्र चौहान ने बेचा धान, बोले-सब कुछ आसान

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में जशपुर जिले में धान खरीदी की व्यवस्था बिल्कुल सुचारू और पारदर्शी चल रही है। खरीफविपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर धान खरीद के लिए जिले के सभी उपार्जन केंद्रों पर किसानों की अच्छी-खासी भीड़ लग रही है। शासन की किसान हित वाली नीतियों और बेहतर प्रबंधन का अब असर दिख रहा है। महुआटोली, कुनकुरी उपार्जन केंद्र पर अपनी फसल बेचने पहुंचे किसान इंद्र चौहान ने कहा कि यहां सब कुछ बहुत आसान और व्यवस्थित था। कोई परेशानी नहीं हुई। कर्मचारियों ने पूरा सहयोग किया। टोकन समय पर मिला, पर्ची कटाई से तौल तक सब क्रम से चला। बारदाना भी खूब उपलब्ध था। श्री चौहान ने बताया कि ऑनलाइन टोकन और माइक्रो एटीएम जैसी सुविधाओं से समय की बचत हो रही है। शासन ने जो व्यवस्था की है, उसकी तारीफ करनी पड़ेगी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का आभार। समर्थन मूल्य पर सही दाम मिलने से हमें आर्थिक सुरक्षा मिली है। जिले के सभी केंद्रों पर नियमित धान आ रहा है। किसानों को टोकन, तौल, भुगतान जैसी प्रक्रियाएं तेजी से हो रही है। इससे किसानों का भरोसा बढ़ा है। जशपुर प्रशासन ने कहा कि धान खरीदी को और बेहतर बनाने के लिए लगातार निगरानी रखी जा रही है।

धान से उद्यानिकी की ओर, कामयाबी का सफर

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन की किसान हितैषी योजनाएं छत्तीसगढ़ शासन की किसान हितैषी योजनाएं अब केवल कागज़ों तक सीमित नहीं रह गई हैं, बल्कि ज़मीन पर किसानों की आर्थिक स्थिति को सशक्त बना रही हैं। इसका जीवंत उदाहरण राजनांदगांव जिले के छुरिया विकासखंड अंतर्गत ग्राम लाममेटा के प्रगतिशील किसान श्री त्रवेंद्र साहू हैं, जिन्होंने परम्परागत धान की खेती के स्थान पर उद्यानिकी फसलों की खेती की ओर, सफल कदम बढ़ाया है। धान के बदले टमाटर की खेती अपनाने से उनकी आर्थिक स्थिति पूरी तरह से बदल गई है। राष्ट्रीय बागवानी मिशन योजना के अंतर्गत श्री साहू को लगभग 2 लाख 50 हजार रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ। इस राशि से उन्होंने पारंपरिक धान की खेती छोड़कर 1.5 एकड़ क्षेत्र में मल्चिंग पद्धति से टमाटर की खेती प्रारंभ की। उद्यानिकी विभाग के तकनीकी मार्गदर्शन से ड्रिप सिंचाई प्रणाली, उन्नत किस्म के पौधे, उर्वरक एवं कीटनाशकों का समुचित उपयोग किया गया, जिससे फसल की गुणवत्ता और उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। इस वर्ष टमाटर की बंपर पैदावार ने श्री साहू को आर्थिक रूप से सशक्त बना दिया। उन्होंने अब तक लगभग 10 लाख रुपये मूल्य के टमाटर की बिक्री की है, जिससे उन्हें करीब 7 लाख रुपये का शुद्ध मुनाफा प्राप्त हुआ है। अब तक वे लगभग 1000 कैरेट टमाटर बाजार में बेच चुके हैं। उनके खेत में लगाई गई 'परी' किस्म के टमाटर की बाजार में विशेष मांग रही, जिसके चलते उन्हें बेहतर मूल्य प्राप्त हुआ। उत्पादित टमाटर न केवल स्थानीय एवं राजनांदगांव मंडी में, बल्कि नई दिल्ली, उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों तक भेजे जा रहे हैं। वर्तमान में भी टमाटर की तुड़ाई का कार्य जारी है और मार्च माह तक अच्छी पैदावार मिलने की संभावना है। किसान त्रवेंद्र साहू का कहना है कि धान के स्थान पर उद्यानिकी फसल अपनाना उनके लिए काफी फायदेमंद रहा है। शासन की योजनाओं वे आर्थिक रूप से समृद्ध हुए हैं।

रायगढ़ को बड़ी सौगातः जिला अस्पताल में ब्रेन हेल्थ क्लीनिक शुरू, वित्त मंत्री चौधरी ने किया शुभारंभ

मानसिक व न्यूरो रोगों का होगा निःशुल्क इलाज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायगढ़ जिले की स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा देते हुए शासकीय जिला चिकित्सालय में ब्रेन हेल्थ क्लीनिक की स्थापना की गई। इसका उद्घाटन छत्तीसगढ़ शासन के वित्त, वाणिज्य, आवास एवं पर्यावरण मंत्री श्री ओपी चौधरी ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह पहल रायगढ़ के नागरिकों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी, क्योंकि अब मस्तिष्क, मानसिक एवं स्पाइन से संबंधित बीमारियों का उपचार जिले में ही सुलभ होगा।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि वर्तमान समय में ब्रेन एवं मेंटल हेल्थ से जुड़ी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। इसे देखते हुए जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग के समन्वित प्रयास से जिला अस्पताल में ब्रेन हेल्थ क्लीनिक की स्थापना की गई है। उन्होंने बताया कि यहां मरीजों को निशुल्क परामर्श, निशुल्क इलाज तथा आवश्यक निःशुल्क दवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, जिससे सभी वर्गों को समुचित स्वास्थ्य सुविधा मिल सकेगी।

सिविल सर्जन डॉ. दिनेश कुमार पटेल ने जानकारी देते हुए कहा कि यह मॉडल कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी द्वारा दंतेवाड़ा में सफलतापूर्वक लागू किया गया था, जिसे अब वित्त मंत्री श्री चौधरी के मार्गदर्शन में रायगढ़ में शुरू किया गया है। उद्देश्य जिले को ब्रेन संबंधित बीमारियों से मुक्त करने का है। उन्होंने कहा कि जिले को ब्रेन से संबंधित बीमारियों से मुक्त करने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगा।

उन्होंने जानकारी दी कि ब्रेन हेल्थ क्लीनिक के अंतर्गत विशेष ओपीडी प्रारंभ की गई है, जिसमें न्यूरो मेडिसिन, न्यूरो सर्जरी एवं सायकेट्री विभाग की संयुक्त सेवाएं उपलब्ध रहेंगी।

इस क्लीनिक में पार्किंसन, डिमेंशिया, अल्जाइमर, स्ट्रोक, लकवा सहित मस्तिष्क एवं मानसिक रोगों का इलाज किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यहां प्रत्येक शनिवार को न्यूरो सर्जरी, प्रत्येक बुधवार को सायकेट्री तथा प्रत्येक माह के अंतिम शुक्रवार को न्यूरो मेडिसिन विशेषज्ञों की सेवाएं उपलब्ध रहेंगी, जबकि जिला चिकित्सालय के नियमित चिकित्सक प्रतिदिन ओपीडी एवं काउंसलिंग सेवाएं प्रदान करेंगे।

ब्रेन हेल्थ क्लीनिक के अंतर्गत न्यूरो फिजियोथेरेपी यूनिट भी प्रारंभ की जा रही है, जहां लकवा एवं चलने-फिरने में असमर्थ मरीजों को निशुल्क फिजियोथेरेपी उपचार उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे वे शीघ्र अपने दैनिक जीवन की गतिविधियों में लौट सकें। रायपुर सहित अन्य स्थानों से आने वाले विशेषज्ञ चिकित्सकों के सहयोग से यह क्लीनिक जिले के लिए एक समन्वित और आधुनिक उपचार केंद्र के रूप में विकसित किया गया है।

कार्यक्रम के बाद वित्त मंत्री चौधरी ने अस्पताल परिसर का निरीक्षण किया और निर्माणाधीन कार्यों की प्रगति की जानकारी ली।उद्घाटन कार्यक्रम में महापौर जीवर्धन चौहान, जिला पंचायत सीईओ अभिजीत बी. पठारे, निगम आयुक्त ब्रजेश ठाकुर, सीएमएचओ डॉ. अनिल कुमार जगत सहित चिकित्सा विशेषज्ञ, अधिकारी एवं अस्पताल कर्मचारी उपस्थित रहे।

सरकारी नौकरी का मोह त्याग स्वरोजगार से संवारी किस्मत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन एवं भारत सरकार की रोजगारोन्मुखी योजनाएं युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सशक्त माध्यम बन रही हैं। इसका उदाहरण कोरबा जिले के पाली विकासखंड अंतर्गत ग्राम मुंगाडीह निवासी आकाश कुमार डिक्सेना हैं, जिन्होंने सरकारी नौकरी की असफलताओं से निराश होने के बजाय स्वरोजगार को अपनाकर अपनी किस्मत संवारी है।

किसान परिवार से आने वाले आकाश डिक्सेना ने स्कूल शिक्षा के उपरांत कॉलेज से एम.ए. (अंग्रेजी एवं संस्कृत) तथा बी.एड. की पढ़ाई पूर्ण की। शिक्षा के बाद उन्होंने कुछ समय तक निजी कॉलेज में सहायक प्राध्यापक के रूप में कार्य किया, किंतु सीमित वेतन के कारण वे संतुष्ट नहीं थे। इसी दौरान समाचार पत्रों के माध्यम से उन्हें प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना की जानकारी मिली, जिसने उनके जीवन को नई दिशा दी।

आकाश ने स्वरोजगार स्थापित करने का निर्णय लिया और बेकरी उद्योग हेतु लगभग 11 लाख रुपये का प्रोजेक्ट तैयार किया। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना के अंतर्गत उन्हें 9 लाख 90 हजार रुपये का ऋण स्वीकृत हुआ। वित्त पोषण प्राप्त होने के बाद उन्होंने अपने गांव में बेकरी उद्योग की स्थापना की। अपनी बेकरी इकाई में ब्रेड, क्रीम रोल, बिस्किट सहित विभिन्न बेकरी उत्पादों का निर्माण कर स्थानीय स्तर पर बिक्री कर रहे हैं। उनके उत्पादों को अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है, जिससे उन्हें अच्छी आय प्राप्त हो रही है। इस इकाई से गांव के कुछ युवाओं को भी रोजगार मिला है। उनके माता-पिता भी इस कार्य में सक्रिय सहयोग दे रहे हैं।

आकाश बताते हैं कि वे प्रतिमाह लगभग 15,300 रुपये की ऋण किस्त नियमित रूप से जमा कर रहे हैं। उनका कहना है कि प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना ने उन्हें आत्मनिर्भर बनाया है और आज वे स्वरोजगार के माध्यम से सम्मानजनक जीवन यापन कर रहे है।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से आत्मनिर्भर ऊर्जा तक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना आम नागरिकों को न केवल महंगे बिजली बिल से राहत दे रही है, बल्कि उन्हें ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर भी बना रही है। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में इस योजना के प्रथम लाभार्थी वसीम खान इसकी सशक्त मिसाल बनकर सामने आए हैं।

वसीम खान ने बताया कि उन्होंने यूट्यूब एवं अन्य प्रचार माध्यमों के माध्यम से प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की जानकारी प्राप्त की। बढ़ते बिजली बिल से निजात पाने और स्वयं बिजली उत्पादन के उद्देश्य से उन्होंने विद्युत विभाग से संपर्क कर योजना के अंतर्गत आवेदन किया। सभी औपचारिकताएं पूर्ण होने के पश्चात 27 नवंबर 2025 को उनके निवास पर सोलर पैनल स्थापित किया गया।

योजना का प्रभाव अत्यंत उत्साहवर्धक रहा। स्थापना के पश्चात दिसंबर माह का बिजली बिल शून्य आया, जो खुशी की बात है। इसके साथ ही उन्हें योजना के अंतर्गत कुल 1 लाख 8 हजार रुपये की सब्सिडी प्राप्त हुई, जिसमें 78 हजार रुपये केंद्र सरकार एवं 30 हजार रुपये राज्य सरकार द्वारा प्रदान किए गए। वर्तमान में श्री खान का बिजली खाता शून्य के साथ 270 यूनिट अतिरिक्त बिजली दर्शा रहा है, जबकि पूर्व में उन्हें प्रतिमाह 3 से 4 हजार रुपये तक का बिजली बिल भुगतान करना पड़ता था।

साहित्य प्रेमियों के लिए विशेष सुविधाः रायपुर साहित्य उत्सव में निःशुल्क चलेंगी बसें

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर साहित्य उत्सव के दौरान आम नागरिकों, साहित्य प्रेमियों, विद्यार्थियों और युवाओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए शहर में निःशुल्क बस सेवा संचालित की जाएगी। इस पहल का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि परिवहन की असुविधा के कारण कोई भी व्यक्ति इस महत्वपूर्ण साहित्यिक आयोजन में भाग लेने से वंचित न रह जाए। निःशुल्क बस सेवा से शहरवासियों को उत्सव स्थल तक सुगम, सुरक्षित और सुविधाजनक आवागमन की सुविधा मिलेगी। यह निःशुल्क बस सेवा 23, 24 और 25 जनवरी 2026—तीन दिनों तक लगातार संचालित की जाएगी। इन तीनों दिनों में बसों का संचालन पूरी तरह निःशुल्क रहेगा, जिससे आमजन बिना किसी अतिरिक्त खर्च के रायपुर साहित्य उत्सव में शामिल हो सकेंगे।

यह व्यवस्था विशेष रूप से विद्यार्थियों, वरिष्ठ नागरिकों और साहित्य प्रेमियों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, लगभग 15 बसें इस निःशुल्क सेवा के अंतर्गत चलाई जाएंगी। ये बसें उत्सव स्थल तक आने और लौटने—दोनों दिशाओं में संचालित होंगी, ताकि दर्शकों को कार्यक्रम समाप्ति के बाद भी किसी प्रकार की असुविधा न हो। बसों की संख्या इस प्रकार निर्धारित की गई है कि भीड़ के समय भी सुचारु आवागमन सुनिश्चित किया जा सके।

धान से उद्यानिकी की ओर, कामयाबी का सफर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन की किसान हितैषी योजनाएं छत्तीसगढ़ शासन की किसान हितैषी योजनाएं अब केवल कागज़ों तक सीमित नहीं रह गई हैं, बल्कि ज़मीन पर किसानों की आर्थिक स्थिति को सशक्त बना रही हैं। इसका जीवंत उदाहरण राजनांदगांव जिले के छुरिया विकासखंड अंतर्गत ग्राम लाममेटा के प्रगतिशील किसान त्रवेंद्र साहू हैं, जिन्होंने परम्परागत धान की खेती के स्थान पर उद्यानिकी फसलों की खेती की ओर, सफल कदम बढ़ाया है। धान के बदले टमाटर की खेती अपनाने से उनकी आर्थिक स्थिति पूरी तरह से बदल गई है।

राष्ट्रीय बागवानी मिशन योजना के अंतर्गत श्री साहू को लगभग 2 लाख 50 हजार रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ। इस राशि से उन्होंने पारंपरिक धान की खेती छोड़कर 1.5 एकड़ क्षेत्र में मल्चिंग पद्धति से टमाटर की खेती प्रारंभ की। उद्यानिकी विभाग के तकनीकी मार्गदर्शन से ड्रिप सिंचाई प्रणाली, उन्नत किस्म के पौधे, उर्वरक एवं कीटनाशकों का समुचित उपयोग किया गया, जिससे फसल की गुणवत्ता और उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

इस वर्ष टमाटर की बंपर पैदावार ने श्री साहू को आर्थिक रूप से सशक्त बना दिया। उन्होंने अब तक लगभग 10 लाख रुपये मूल्य के टमाटर की बिक्री की है, जिससे उन्हें करीब 7 लाख रुपये का शुद्ध मुनाफा प्राप्त हुआ है। अब तक वे लगभग 1000 कैरेट टमाटर बाजार में बेच चुके हैं। उनके खेत में लगाई गई 'परी' किस्म के टमाटर की बाजार में विशेष मांग रही, जिसके चलते उन्हें बेहतर मूल्य प्राप्त हुआ।

उत्पादित टमाटर न केवल स्थानीय एवं राजनांदगांव मंडी में, बल्कि नई दिल्ली, उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों तक भेजे जा रहे हैं। वर्तमान में भी टमाटर की तुड़ाई का कार्य जारी है और मार्च माह तक अच्छी पैदावार मिलने की संभावना है। किसान श्री त्रवेंद्र साहू का कहना है कि धान के स्थान पर उद्यानिकी फसल अपनाना उनके लिए काफी फायदेमंद रहा है। शासन की योजनाओं वे आर्थिक रूप से समृद्ध हुए हैं। उन्होंने अन्य किसानों से भी आधुनिक तकनीक अपनाकर सब्जी एवं उद्यानिकी फसलों की खेती करने का आह्वान किया है। तकनीकी सहायता एवं बाजार तक पहुंच ने यह साबित कर दिया है कि फसल विविधीकरण के माध्यम से किसान अपनी आय में कई गुना वृद्धि कर सकते हैं।

तीन दिवसीय सिरपुर महोत्सव 01 फरवरी से, कलेक्टर सहित अधिकारियों ने लिया तैयारियों का जायजा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक नगरी सिरपुर में माघ पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित होने वाला तीन दिवसीय सिरपुर महोत्सव 01 से 03 फरवरी 2026 तक भव्य गरिमापूर्ण एवं सुव्यवस्थित रूप से आयोजित करने अंतिम रूप दिया जा रहा है। महोत्सव की तैयारियों का जायजा लेने आज दोपहर 12 बजे कलेक्टर विनय कुमार लंगेह एवं जिला प्रशासन की टीम सिरपुर पहुंची और आयोजन स्थल सहित विभिन्न स्थलों का निरीक्षण किया।

इस दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री हेमंत नंदनवार, सिरपुर विकास प्राधिकरण के सीईओ धम्मशील गणवीर मौजूद थे। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर लंगेह ने आयोजन को सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं जन सुविधाओं से युक्त बनाने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और तैयारी तेज करने के निर्देश दिए। इस बार सिरपुर के वैभव और ऐतिहासिक महत्व को लेकर ऑनलाइन पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजन कर प्रविष्टियां आमंत्रित की जाएगी।

कलेक्टर श्री लंगेह ने महोत्सव स्थल, स्टेज, डोम में साफ-सफाई, पेयजल, शौचालय, पार्किंग, विद्युत व्यवस्था एवं स्वास्थ्य सुविधाओं की चाक-चौबंद व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य मंच तक पहुंचने वाले मार्गों को पर्याप्त चौड़ा रखने, सुगम आवागमन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। दर्शकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए डोम का निर्माण किया जा रहा है। कलेक्टर श्री लंगेह ने कहा कि महोत्सव स्थल में विभागीय स्टॉल, स्व-सहायता समूहों के उत्पाद, वन उत्पाद, पर्यटन एवं संस्कृति से जुड़े स्टॉल लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सिरपुर एवं आसपास के स्थानीय व्यवसायियों, सरस मेला, स्व-सहायता समूहों तथा कारीगरों को स्टॉल आबंटन में प्राथमिकता दी जाएगी, जिससे स्थानीय आजीविका को बढ़ावा मिल सके। स्टॉल ले-आउट के अनुरूप ही इस प्रकार तैयार किया जाए कि आगंतुकों को आसानी से भ्रमण करने की सुविधा मिले तथा आपातकालीन स्थिति में निकास मार्ग बाधित न हो। महोत्सव के दौरान बॉलीवुड कलाकारों सहित स्थानीय एवं छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की आकर्षक छटा देखने को मिलेगी। इस अवसर पर प्रतिदिन महानदी आरती का आयोजन भी किया जाएगा। कलेक्टर ने मुख्य मंच को आकर्षक एवं सांस्कृतिक थीम आधारित साज-सज्जा देने के निर्देश दिए। महोत्सव परिसर में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर, एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। साफ-सफाई एवं कचरा प्रबंधन हेतु स्थानीय पंचायत को जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रत्येक दिन कार्यक्रम समाप्ति के बाद कचरा उठाव अनिवार्य रूप से किया जाएगा। सड़क किनारे लगे स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत एवं अतिरिक्त प्रकाश व्यवस्था तथा महोत्सव परिसर की सड़कों की आवश्यक मरम्मत कराने के निर्देश दिए गए हैं। पेयजल टैंकरों के नियमित क्लोरीनेशन एवं गुणवत्तापूर्ण जल आपूर्ति सुनिश्चित करने को कहा गया।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि कार्यक्रम स्थल का विस्तृत ले-आउट अनुसार अतिशीघ्र तैयारी कर लें तथा विभिन्न जन सुविधाओं के लिए एक नियंत्रण कक्ष स्थापित किया जाए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम महासमुंद अक्षा गुप्ता, सरपंच श्रीमती पुष्पा के माली, तहसीलदार, जनपद सीईओ, लोक निर्माण, पीएचई, आर ई एस शिक्षा, श्रम, पीएचई, जल संसाधन, कृषि, महिला बाल विकास, सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

खास खबर

कुम्हारी में मिली महिला की सड़ी गली लाश, हत्या की आशंका, जांच में जुटी पुलिस

भिलाई। कुम्हारी थाना क्षेत्र में शनिवार को महिला की सड़ी गली लाश मिलने से हड़कंप मच गया। ग्राम परसदा स्थित कैवल्य धाम के पीछे खेत में शव मिलने की सूचना पर कुम्हारी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। आशंका है कि महिला की हत्या के बाद शव को फेंका गया है। मिली जानकारी के अनुसार शनिवार को कुम्हारी पुलिस को सूचना मिली कि परसदा कैवल्य धाम के पीछे खेत में अज्ञात शव देखा गया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शुरूआती जांच के बाद बताया कि मृतक महिला की उम्र करीब 40 से 45 साल हो सकती है। शव 6 से 7 दिन पुराना हो सकता है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद मौत की वजह सामने आएगी। कुम्हारी पुलिस आसपास के थानों में दर्ज गुमशुदगी की रिपोर्ट खंगाल रही है।

दुष्कर्म मामले में लंबे समय से फरार आरोपी पकड़ाया

जांजगीर-चांपा। जिले की थाना बलौदा पुलिस को लंबे समय से फरार चल रहे एक आरोपी को पकड़ने में सफलता मिली है। आरोपी द्वारा एक नाबालिक बालिका को बहला फुसलाकर भगा ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया गया था। मिली जानकारी के अनुसार मामला वर्ष 2024 का है जब एक पीड़िता ने दिनांक 14 दिसंबर 2024 को थाना बलौदा में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसपर धारा 137(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया था। मामले की विवेचना के दौरान पाया गया था कि ग्राम कुरमा निवासी विकाश आदिले द्वारा नाबालिक बालिका को बहला-फुसलाकर अपहरण कर भगा ले गया था तथा उसके साथ दुष्कर्म किया था। जिसके बाद पुलिस ने 24 जुलाई 2025 को नाबालिग बालिका को सुरक्षित दस्तयाब किया था, वहीं आरोपी फरार था। जिसकी सूचना मिलने पर पुलिस ने आरोपी विकाश आदिले को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

एफसीआई गोदाम में मारपीट करने वाला आरोपी पकड़ाया

जांजगीर-चांपा। एफसीआई गोदाम अकलतरा में मारपीट करने के मामले में थाना अकलतरा पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के विरुद्ध धारा 296,115 (2), 118 (2) बीएनएस के तहत कार्यवाही कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। 10 जनवरी को सुबह आपसी विवाद के दौरान आरोपी किशन पाण्डेय ने प्रार्थी अजित कुमार सहीस निवासी सांकर के साथ अश्लील गाली-गलौज करते हुए उसे हाथ- मुक्कों से मारपीट की। जिसकी सूचना रिपोर्ट पर थाना अकलतरा में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना की गई। पूछताछ करने पर आरोपी ने जुर्म स्वीकार कर लिया जिसके बाद आरोपी के पास से घटना में प्रयुक्त कांच का टुकड़ा जप्त कर विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

घर के सेप्टिक टैंक में गिरने से बच्ची की मौत

रायपुर में मकान मालिक ने खुदवाया था गड्ढा, 2025 में 3 बच्चों की गई जान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर में बाथरूम में खोदे गए सेप्टिक टैंक के गड्ढे में गिरकर 5 साल की बच्ची की मौत हो गई। बच्ची के चिल्लाने की आवाज सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे। बच्ची को गड्ढे से बाहर निकाला। निजी अस्पताल ले गए, लेकिन तब तक बच्ची की मौत हो चुकी थी। मामला मोवा थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक मृत बच्ची का नाम रिया महिलांग है। महासमुंद जिले के पटेवा गांव की रहने वाली थी। अपनी मौसी की गोदभराई कार्यक्रम में अपने पिता एलन और मां धनेश्वरी महिलांग के साथ रायपुर आई थी। टॉयलेट गई थी, तभी हादसे का शिकार हो गई। मकान मालिक जीवनलाल कुर्रे ने टॉयलेट का गंदा पानी निकलवाने के लिए बाथरूम में एक गड्ढा करवाया था। इसके बाद उन्होंने उस गड्ढे को एक बोरी से ढंककर छोड़ दिया था।

शनिवार दोपहर 1 बजे बच्ची टॉयलेट गई थी। इस दौरान उसकी नानी भी वहां मौजूद थी, लेकिन नानी बाथरूम के बाहर पानी लाने गई। बच्ची टॉयलेट से उठकर बाथरूम में आ गई। यहां सेप्टिक टैंक में गड्ढा था। बच्ची का पैर बोरी में फंस गया। वह सीधे सेप्टिक टैंक के गड्ढे में गिर गई।

इस दौरान बच्ची के चिल्लाने की आवाज सुनकर परिजन और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। सेप्टिक टैंक से बच्ची को कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला। बच्ची को फौरन नजदीकी निजी अस्पताल लेकर गए, लेकिन डॉक्टर्स ने बच्ची को मृत घोषित कर दिया।

2 गड्ढे किए गए थे, लेकिन बोरी से ढककर छोड़ दिया था

पुलिस के मुताबिक किराएदारों के कहने पर 4 दिन पहले मकान मालिक जीवनलाल कुर्रे ने टॉयलेट का गंदा पानी निकलवाने के लिए बाथरूम में एक गड्ढा करवाया था। इसके बाद उन्होंने उस गड्ढे को एक बोरी से ढंककर छोड़ दिया था। बाथरूम में कोई दरवाजा भी नहीं था, जिससे वह खुला रहता था।

2025 में दो घटनाओं में 3 बच्चों की मौत

पिछले साल 2025 में इस तरह की दो घटनाओं में तीन बच्चों की मौत हुई थी। पहली घटना 11 नवंबर 2025 को हुई थी। जिसमें रायपुर के सरकारी स्कूल के पास 2 बच्चे खेलते-खेलते सड़क किनारे बने पानी से भरे गड्ढे में गिर गए। दोनों बच्चे मौसेरे भाई थे। गड्ढे की गहराई ज्यादा होने के कारण वे बाहर नहीं निकल पाए। डूबने से उनकी मौत हो गई। मृतकों में सत्यम (8 साल) और आलोक (7 साल) शामिल थे। ये दोनों बच्चे अपनी मौसी के बेटे के जन्मदिन के मौके पर यहां आए थे। यह गड्ढा फॉर्च्यून डेवलपर्स (बिल्डर) द्वारा खुदवाया गया था, लेकिन उसे भरा नहीं गया था।

एक बच्चे की मौत, 2 को बचाया गया

वहीं, दूसरी घटना 13 अप्रैल 2025 की है। यह हादसा रायपुर के ईडब्ल्यूएस कॉलोनी गुलमोहर पार्क, रामनगर में हुआ था। निगम की ओर से खोदे गए गड्ढे में 3 बच्चे गिर गए थे। इसमें से एक बच्चे की जान चली गई, जबकि स्थानीय लोगों की मदद से 2 बच्चों को किसी तरह सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया था।

गुलमोहर पार्क वाली घटना से एक दिन पहले यानि 12 अप्रैल 2025 को भी ऐसा ही हादसा हुआ था। शनिवार की रात छत्तीसगढ़ नगर स्थित शीतला मंदिर के पास 3 साल का बच्चा खुले गड्ढे में गिर गया था। गनीमत रही कि सड़क से गुजर रहे एक बाइक सवार ने बच्चे को डूबता देख लिया। इस दौरान समय रहते बाइक सवार ने गड्ढे में कूदकर उसे बचा लिया। शीतला मंदिर के पास हुए हादसे में भी गड्ढा निगम की ओर से खोदा गया था। यहां गंदे पानी की शिकायत के बाद गड्ढा खोदा गया लेकिन उसे खुला ही छोड़ दिया गया था। इस घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है।

6वीं पास युवक ने की 1.35 करोड़ की ठगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर में 6वीं पास एक युवक ने करोड़ों की ठगी की है। आरोपी कुलदीप भतपहरी ने क्रिप्टो करेंसी और शेयर ट्रेडिंग में ज्यादा फायदा और मासिक ब्याज दिलाने की बात कहकर लोगों को झांसे में लिया। उसने कुल 26 लोगों से 1 करोड़ 35 लाख 14 हजार रुपए ठगे थे।

मामला मोवा पंडरी थाना क्षेत्र का है। पीड़ितों की शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी को घेराबंदी कर पकड़ लिया है। आरोपी खुद को शेयर मार्केट का एक्सपर्ट बताता था। शुरू में उसने कुछ प्रॉफिट लोगों को दिए जिससे लोगों को भरोसा बढ़ता गया। पुलिस मामले में आगे जांच कर रही है।

पंडरी निवासी अमित दास ने थाने में शिकायत की थी। अमित ने पुलिस को बताया कि 2021-22 में उनकी पहचान देवपुरी निवासी कुलदीप भतपहरी से हुई थी। आरोपी ने खुद को शेयर मार्केट, IPO, NSE, MSEI और CDSL से जुड़ा निवेश सलाहकार बताता था।

उसने 'मासिक के.बी. प्लान' के नाम पर निवेश कराने का लालच देकर अमित दास और उसके भाई से ऑनलाइन व नकद करीब 15.60 लाख रुपए ले लिए। शुरुआत में कुछ महीने ब्याज की रकम दी गई, जिससे लोगों का भरोसा बढ़ गया। फिर कई लोगों ने उसे पैसे दिए। लेकिन दिसंबर 2024 में आरोपी अचानक फरार हो गया।

पीड़ित की शिकायत पर पंडरी पुलिस ने मामला दर्ज किया है। पुलिस की टीम ने तकनीकी विश्लेषण, मुखबिर तंत्र और लगातार दबिश के जरिए आरोपी की तलाश शुरू की। लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी को एसीसीयू और पंडरी थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने आखिरकार पकड़ लिया गया।

कंप्यूटर-लैपटॉप और मोबाइल जब्त

पूछताछ में आरोपी ने कबूल किया कि उसने इसी तरह 26 लोगों को अपना शिकार बनाया और उनसे 1.35 करोड़ रुपए से अधिक की रकम ठगी। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक कंप्यूटर सिस्टम, एक लैपटॉप और दो मोबाइल फोन जब्त किए हैं, जो ठगी के मामलों में इस्तेमाल किए जा रहे थे। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, कुलदीप भतपहरी पहले भी इसी तरह की ठगी के मामले में थाना टिकरापारा से जेल जा चुका है। फिलहाल पुलिस उससे पूछताछ कर रही है और आशंका जताई जा रही है कि ठगी का दायरा और भी बड़ा हो सकता है। मामले की जांच जारी है।

नशे के खिलाफ अमोरा में बनी 200 महिलाओं की कमांडो टीम

जांजगीर। नशामुक्ति और जन-जागरूकता के लिए पुलिस लगातार नवाचार कर रही है। एसपी विजय कुमार पाण्डेय ने थाना मुलमुला के अमोरा में विशेष नशा मुक्ति जागरूकता अभियान का आयोजन किया। उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध शराब बिक्री और नशा सेवन के दुष्प्रभावों को लेकर लोगों को जागरूक करना था। इस मौके पर एसपी पांडेय ने 200 महिला कमांडो टीम का गठन किया। नशा रोकने में सक्रिय भूमिका निभाएगी और बच्चों-युवाओं को नशे से दूर रहने प्रेरित करेगी। पुलिस अधीक्षक ने महिला कमांडो को टोपी, सीटी और अन्य उपकरण बांटे। अभियान को और प्रभावशाली बनाने एसपी पांडेय ने छत्तीसगढ़ी में गीत तैयार कर महिला कमांडो टीम को समर्पित किया है।

मकर संक्रांति मेले में हिंसा, एक नाबालिग सहित चार गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

सक्ती। जिले के जैजैपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत कचंदा गांव में आयोजित मकर संक्रांति मेले के दौरान हिंसा की गंभीर घटना सामने आई है। झूला झूलने को लेकर हुए मामूली विवाद ने देखते ही देखते प्राणघातक हमले का रूप ले लिया।

जानकारी के अनुसार, कहासुनी और गाली-गलौज के बाद आरोपियों ने युवक आर्यन सिदार पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में आर्यन के सीने में गंभीर चोट आई, जिसके बाद उसकी हालत नाजुक हो गई। घटना के दौरान बीच-बचाव करने पहुंचे युवराज, राकेश और पंकज सिदार पर भी आरोपियों ने रॉड और लात-घूंसों से हमला किया, जिससे वे भी घायल हो गए।

घायल आर्यन सिदार को प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए रायगढ़ रेफर किया गया है, जहां उसका इलाज जारी है।

मामले की सूचना मिलते ही जैजैपुर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दीपक केंवट, रूप कुमार सिदार और वीरसिंह केंवट को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, घटना में शामिल एक नाबालिग आरोपी को किशोर न्याय बोर्ड के निर्देश पर बाल संप्रेक्षण गृह भेजा गया है।

पुलिस ने बताया कि सभी आरोपियों को न्यायिक प्रक्रिया के तहत आगे की कार्रवाई के लिए प्रस्तुत किया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक आयोजनों में कानून व्यवस्था भंग करने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे।

पेट्रोल पंप कर्मियों से चाकू की नोक पर लूट

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा जिले के पाली थाना क्षेत्र अंतर्गत एक पेट्रोल पंप में रात्रि ड्यूटी कर रहे दो कर्मचारियों के साथ चाकू की नोक पर लूटपाट की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। चार अज्ञात नकाबपोश बदमाशों ने दो अलग-अलग चाकुओं से धमकाते हुए कर्मचारियों से नगदी लूट ली और मौके से फरार हो गए।

प्रार्थी ग्राम रजकम्मा निवासी राजकुमार कश्यप साईं पेट्रोल पंप में सेल्समैन के पद पर कार्यरत है। उसने बताया कि 15 जनवरी की रात उसकी ड्यूटी रात 8 बजे से 16 जनवरी की सुबह 10 बजे तक कांशीराम टांडिया के साथ थी। रात करीब 8.30 बजे ओमप्रकाश कश्यप व प्रभाकर सिंह मरकाम से पंप का चार्ज लिया गया, जिसके बाद मैनेजर रामकुमार पटेल दिनभर का हिसाब-किताब और नगदी लेकर चले गए।

रात लगभग 1 बजे दो मोटरसाइकिलों में सवार चार युवक पेट्रोल पंप के सामने पहुंचे। बदमाशों ने मोटरसाइकिल शटर वाले कमरे के सामने खड़ी की और अचानक दो आरोपी राजकुमार के पास तथा दो कांशीराम के पास पहुंच गए। लेटे हुए अवस्था में ही आरोपियों ने हाथ-मुक्कों से चेहरे, आंख और माथे पर हमला किया और गाली-गलौज करते हुए पैसों के बारे में पूछने लगे।

आरोपियों ने राजकुमार की पैंट की जेब में रखी बिक्री रकम 6,000 रुपये और कांशीराम की जेब से 2,000 रुपये निकाल लिए। इस दौरान दो बदमाशों के हाथ में सब्जी काटने वाले चाकू थे, जिनसे वे दोनों कर्मचारियों को जान से मारने की धमकी दे रहे थे। लूटपाट के बाद चारों आरोपी दोनों तरफके शटर खींचकर मौके से फरार हो गए। बदमाशों ने मुंह पर गमछा बांध रखा था और गर्म कपड़े पहन रखे थे।

घटना के बाद घायल कर्मचारियों ने अपने मोबाइल से मैनेजर रामकुमार पटेल को सूचना दी, जिसके बाद कांशीराम के साथ चैतमा चैकी पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई गई। राजकुमार कश्यप की शिकायत पर पाली थाना में अज्ञात चार आरोपियों के खिलाफ धारा 309(6) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच और आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

धान की अवैध खरीदी में संलिप्त 14 कोचियों के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। सरायपाली में अवैध धान खरीदी में संलिप्त पाए गए कोचियों के विरुद्ध प्रशासन द्वारा सख्त प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई है। कलेक्टर विनय लंगेह के निर्देश पर तथा सरायपाली एसडीएम अनुपमा आनंद के मार्गदर्शन में राजस्व विभाग द्वारा यह कार्रवाई की गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बीएनएस की धारा 126 एवं 135(3) के अंतर्गत कुल 14 कोचियों को नोटिस जारी किया गया है। संबंधित सभी मामलों की सुनवाई एसडीएम न्यायालय सरायपाली में की जाएगी। कार्रवाई के तहत प्रकरणों की सूची एसडीओपी सरायपाली को आवश्यक कार्रवाई हेतु उपलब्ध करा दी गई है। जिला प्रशासन द्वारा यह प्रतिबंधात्मक कदम जिले में अवैध धान खरीदी पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने तथा शासन के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है। जिला प्रशासन ने कहा है कि अवैध गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध आगे भी इसी प्रकार कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

अब तक 13 करोड़ का अवैध धान जब्त

राजनांदगांव। धान खरीदी अंतिम चरण पर है। इधर प्रशासन की सख्ती काम आई। कोचियों और बिचौलियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई से हड़कंप मचा हुआ है। इन पर लगाम लगाने जहां सीमावर्ती क्षेत्रों में सख्ती बरती गई है। वहीं राजस्व व मंडी की टीम के द्वारा लगातार छापेमार कार्रवाई की जा रही है। इस वजह से सीजन में अब तक 13 करोड़ रुपए कीमती अवैध धान जब्त किया जा चुका है। जिले में पहली बार इतनी बड़ी मात्रा में धान का अवैध परिवहन व भंडारण पर कार्रवाई की गई है। अब तक 45 हजार क्विंटल अवैध धान की जब्ती की गई है। प्रशासन का दावा है कि यह कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

जांजगीर-चांपा में शराब के लिए पैसे नहीं मिलने पर लगाई थी घर में आग, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। जिले के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र में शराब के लिए पैसे न देने पर एक महिला के घर में आग लगाने और तोड़फोड़ करने के आरोप में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों ने घर में घुसकर मां-बेटी को जान से मारने की धमकी भी दी थी।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पीड़ित महिला ने बताया कि वह 16 जनवरी को अपने निजी काम से जांजगीर मार्केट गई हुई थी। घर पर उसकी बेटी अकेली थी। इसी दौरान मोहन राठौर (32 वर्ष) और उसका दोस्त अमित यादव (39 वर्ष) घर पहुंचे और शराब पीने के लिए लगातार पैसे की मांग करने लगे।

बेटी ने पैसे देने से इनकार कर दिया, जिसके बाद आरोपियों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। पड़ोसियों के समझाने पर वे वहां से चले गए। कुछ देर बाद, दोपहर करीब 1 बजे, दोनों आरोपी एक बोतल में पेट्रोल लेकर वापस आए। उन्होंने घर के दरवाजे पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी, जिससे दरवाजा पूरी तरह जल गया। स्थानीय लोगों ने किसी तरह आग बुझाई। बार-बार मना करने के बावजूद, दोनों आरोपियों ने घर में घुसकर तोड़फोड़ भी की।

सिटी कोतवाली जांजगीर में दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस टीम ने अलग-अलग जगहों से मोहन राठौर और अमित यादव को गिरफ्तार किया। पूछताछ में दोनों ने शराब पीने के लिए पैसे न देने पर जान से मारने की धमकी देने, गाली-गलौज करने और घर में पेट्रोल डालकर आग लगाने की बात स्वीकार की है। उन्हें विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

बाइक चोरी का इंटर स्टेट रैकेट पकड़ाया, झाड़ियों में छिपाते थे बाइक

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग-भिलाई। दुर्ग जिले के भिलाई में वाहन चोरी करने वाले 2 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से करीब 3 लाख रुपए कीमत की 4 चोरी की बाइक जब्त की गई हैं। बताया जा रहा है वाहन चुराने का अंतर्राज्यीय गिरोह ओडिसा-भिलाई के बीच सक्रिय है, उसी गिरोह के 2 चोर पकड़े गए है।

मामला भिलाई नगर थाना क्षेत्र का है। इस कार्रवाई से भिलाई नगर, नेवई और ओडिसा के कुल 4 वाहन चोरी के मामलों का खुलासा हुआ है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे ओडिसा से बाइक चोरी कर भिलाई में बेचते थे और भिलाई से चोरी की गई बाइक ओडिसा में खपाते थे।

13 दिसंबर 2025 को जब पीड़ित अजय सिंह ने भिलाई नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसने बताया कि वह अपनी बाइक से रूआबांधा साप्ताहिक शनिचरी बाजार सब्जी खरीदने गया था।

उसने गाड़ी शासकीय अस्पताल के पास सड़क किनारे खड़ी की थी। बाजार से लौटने पर उसकी बाइक अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर ली गई थी। रिपोर्ट पर थाना भिलाई नगर में अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की गई।

चोरी की बाइक बेचने खोज रहा था ग्राहक, तभी पकड़ाया

इस दौरान पुलिस को विश्वसनीय सूचना मिली कि बनवाली कोलथिया नामक व्यक्ति चोरी की बाइक बेचने के लिए ग्राहक तलाश कर रहा है। आरोपी पूर्व में सेक्टर-10 भिलाई में सीमेंट दुकान में कार्यरत था और वर्तमान में रिसाली क्षेत्र के मैत्री कुंज में नवनिर्मित मकानों में चौकीदारी का काम कर रहा था। सूचना के आधार पर पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की, जहां उसने अपने साथियों प्रदीप बाग उर्फ राजू एवं दिलीप के साथ मिलकर वाहन चोरी करना स्वीकार किया। इसके बाद प्रदीप बाग उर्फ राजू को भी गिरफ्तार कर लिया गया।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे ओडिसा से बाइक चोरी कर भिलाई में बेचते थे और भिलाई से चोरी की गई मोटर सायकल ओडिसा में खपाते थे। चोरी के वाहनों को वे सिविक सेंटर के पास झाड़ियों में और सेक्टर-06 स्थित एलआईसी कार्यालय के पास एक खंडहर में छिपाकर रखते थे। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने 4 चोरी की मोटर सायकल बरामद की।

पुलिस के अनुसार आरोपियों की गिरफ्तारी से थाना भिलाई नगर के 1, थाना नेवई के 1 और उड़िसा के 2 मामलों का खुलासा हुआ है। दोनों आरोपी आदतन अपराधी हैं और पूर्व में भी जेल जा चुके हैं।

धान खरीदी में लापरवाही पर सख्त कार्रवाई

सक्ती। जिले में धान खरीदी व्यवस्था में बरती गई गंभीर लापरवाही पर जिला प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। टोकन जारी करने और भौतिक सत्यापन में अनियमितता पाए जाने के बाद दो पटवारियों को निलंबित कर दिया गया है। प्रशासन द्वारा की गई जांच में पटवारी शेरसिंह राठिया और विशेश्वर सिंह सिदार की भूमिका संदिग्ध पाई गई। इसके अलावा दोनों पटवारी धान खरीदी की समीक्षा बैठक में भी अनुपस्थित रहे, जिसे प्रशासन ने कर्तव्य में घोर लापरवाही माना।

कलेक्टर अमृत विकास तोपनो के निर्देश पर मामले की जांच कराई गई, जिसके बाद दोनों पटवारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के आदेश जारी किए गए।

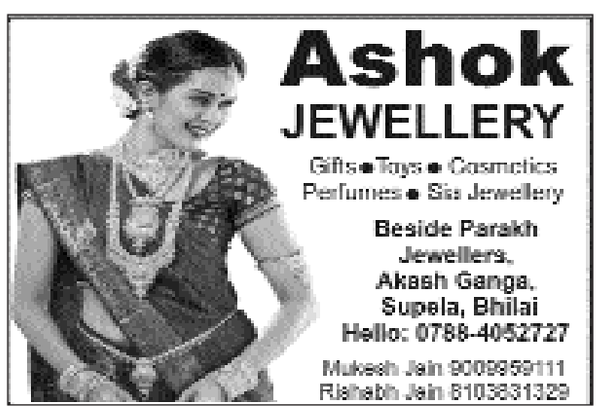

प्रमुख खबरें

पाली महोत्सव की तैयारी के लिए विभागीय बैठक 20 को

कोरबा। कोरबा जिला में विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी महाषिवरात्रि के पावन पर्व पर दो दिवसीय पाली महोत्सव का आयोजन पाली महोत्सव ग्राउंड केराझरिया में किया जायेगा। पाली महोत्सव की आवश्यक तैयारी हेतु जिले के सर्व विभाग प्रमुखों की बैठक 20 जनवरी को प्रात: 11 बजे कलेक्टर सभाकक्ष कोरबा में आयोजित की गई है। जिले के जनप्रतिनिधियों की आवश्यक बैठक 22 जनवरी को दोपहर 12 बजे कलेक्टर सभाकक्ष कोरबा में आयोजित की गई है।

सखी वन स्टॉप सेंटर भर्ती की अंतिम सूची जारी

रायगढ़। सखी वन स्टॉप सेंटर के सुचारु संचालन के लिए सेवा प्रदाता के रूप में कार्य करने हेतु पैरालीगल कार्मिक, अधिवक्ता, पैरामेडिक कार्मिक, सुरक्षा गार्ड एवं नाइट गार्ड पदों पर प्राप्त आवेदनों की दावा-आपत्ति प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है। निर्धारित समयावधि में प्राप्त सभी दावा-आपत्तियों का गठित चयन समिति द्वारा गहन अवलोकन एवं परीक्षण किया गया। आवेदनों का निराकरण उपरांत सूचीबद्ध कर दावा आपत्ति निराकरण सूची व अंतिम सूची जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास कार्यालय, रायगढ़ के सूचना पटल व जिला के वेबसाईट www.raigarh.gov.in में अवलोकन कर सकते है।

प्राचीन नर्मदा कुंड व मंदिर परिसर का होगा जीर्णोद्धार

कवर्धा। कबीरधाम जिला मुख्यालय से लगभग 11 किलोमीटर दूर ग्राम झिरना में स्थित प्रसिद्ध और प्राचीन नर्मदा कुंड व मंदिर परिसर का जल्द ही जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण किया जाएगा। इसके लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जा रही है और आने वाले समय में विकास कार्य शुरू होंगे। कलेक्टर गोपाल वर्मा ने ग्राम पंचायत चरडोंगरी के अंतर्गत ग्राम झिरना पहुंचकर नर्मदा कुंड, मंदिर और पूरे परिसर का निरीक्षण किया। उन्होंने नर्मदा कुंड और मंदिरों के जीर्णोद्धार के साथ-साथ परिसर में जरूरी विकास कार्य कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए। कलेक्टर ने कहा कि कार्यों की रूपरेखा तैयार कर व्यवस्थित तरीके से जल्द प्रस्ताव बनाकर प्रस्तुत किया जाए।

प्रधानमंत्री आवास योजना से सच हो रहा पक्के घर का सपना

हितग्राही से मुख्यमंत्री ने पूछा हाल, कहा- घर सिर्फ दीवारें व छत नहीं, यह सम्मानजनक जीवन की नींव

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज सूरजपुर जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राही कालीचरण के निवास पर पहुँचकर उनके पक्के आवास का निरीक्षण किया और परिवारजनों से आत्मीय संवाद किया। मुख्यमंत्री का अपने घर पर आगमन पाकर हितग्राही एवं उनके परिजन भावविभोर दिखाई दिए। मुख्यमंत्री ने सहज और स्नेहपूर्ण वातावरण में परिवार से बातचीत करते हुए उनकी दिनचर्या, आवश्यकताओं और आवास मिलने के बाद जीवन में आए सकारात्मक बदलावों के बारे में जानकारी ली।

मुख्यमंत्री श्री साय ने बातचीत के दौरान हितग्राही कालीचरण से आवास प्राप्ति से पूर्व उनके जीवन के अनुभवों को भी जाना। उन्होंने पहले कच्चे मकान में रहने के दौरान आने वाली कठिनाइयों, बरसात और मौसम की मार, सुरक्षा की चिंता तथा सामाजिक असहजता के बारे में विस्तार से सुना। हितग्राही ने बताया कि पक्का आवास मिलने से न केवल उनका जीवन सुरक्षित हुआ है, बल्कि आत्मसम्मान और सामाजिक प्रतिष्ठा में भी वृद्धि हुई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना का मूल उद्देश्य यही है कि प्रदेश का कोई भी पात्र परिवार आवास जैसी बुनियादी आवश्यकता से वंचित न रहे। उन्होंने स्पष्ट किया कि पक्का घर केवल चार दीवारें और छत नहीं, बल्कि वह परिवार के लिए सुरक्षा, स्थायित्व और सम्मानजनक जीवन की नींव होता है। सरकार की प्राथमिकता है कि गरीब, वंचित और जरूरतमंद परिवारों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण आवास उपलब्ध कराया जाए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सबके लिए आवास के संकल्प को पूरी प्रतिबद्धता के साथ ज़मीन पर उतार रही है। उन्होंने बताया कि आवास योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता, गुणवत्ता और पात्रता का विशेष ध्यान रखा जा रहा है, ताकि सही हितग्राही तक योजनाओं का लाभ पहुँचे। सरकार निरंतर यह सुनिश्चित कर रही है कि कोई भी पात्र परिवार छूटे नहीं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने हितग्राही परिवार को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि सरकार का लक्ष्य केवल योजनाएँ बनाना नहीं, बल्कि उनके प्रभाव को लोगों के जीवन में प्रत्यक्ष रूप से देखना है।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री आवास योजना सहित सभी जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में संवेदनशीलता, ईमानदारी और तत्परता बनाए रखें, ताकि समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुँच सके।

जारी होगी पुलिस कमिश्नरी प्रणाली की अधिसूचना, मिलेंगे 16 अतिरिक्त अधिकार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राजधानी में 23 जनवरी से पुलिस कमिश्नरी प्रणाली लागू होने जा रही है। उम्मीद की जा रही थी कि एक-दो दिनों में अधिसूचना जारी कर दी जाएगी।

गृह विभाग के अनुसार नई व्यवस्था में पुलिस कमिश्नर 16 महत्वपूर्ण अधिकारों से लैस होंगे, जिससे शहर में कानून और व्यवस्था का नियंत्रण अधिक सशक्त होगा। हालांकि, शस्त्र और आबकारी लाइसेंस जारी करने का अधिकार नहीं मिलेगा।

पुलिस कमिश्नर को कैदी अधिनियम 1900 के तहत कैदियों को बीमारी या पारिवारिक कारणों से अल्पकालीन पैरोल पर रिहा करने का अधिकार होगा। छत्तीसगढ़ पुलिस अधिनियम 2007 के अंतर्गत धरना-प्रदर्शन, जुलूस और सभा की अनुमति देने के साथ धारा 144 लागू करने का अधिकार भी मिलेगा। विष अधिनियम 1919 के तहत अवैध रूप से जहर रखने या बेचने की शिकायत पर तलाशी वारंट जारी कर सकेंगे। जेल अधिनियम 1894 के तहत जेल में सुरक्षा और अव्यवस्था से जुड़े मामलों में कार्रवाई का अधिकार। देह व्यापार निवारण अधिनियम 1956 के तहत जांच और छापा मारने। गैरकानूनी गतिविधि एक्ट 1967 के अंतर्गत गैरकानूनी स्थल का प्रबंधन, राज्य सुरक्षा एक्ट 1990 के तहत जिला बदर की कार्रवाई, मोटर वाहन एक्ट 1988 के अंतर्गत निगरानी और राष्ट्रीय सुरक्षा एक्ट 1980 के तहत गिरफ्तारी का अधिकार भी पुलिस कमिश्नर के पास रहेगा। पुलिस में असंतोष फैलाने का एक्ट 1922, आफिशियल सीक्रेट्स एक्ट 1923, देशद्रोही सभा रोकथाम एक्ट 1911, सिनेमा एक्ट 1952, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960, पेट्रोलियम अधिनियम 1934 और विस्फोटक अधिनियम 1884 के तहत भी पुलिस कमिश्नर सीधे आदेश देने और कार्रवाई करने में सक्षम होंगे।

गुप्त नवरात्रि 19 से, श्रीमहामाया मंदिर में श्रीमद् भागवत् कथा का आयोजन

रायपुर। गुप्त नवरात्रि 19 से प्रारंभ हो रही है। इस अवसर पर महामाया मंदिर, डोंगरगढ़, रतनपुर तथा अन्य मंदिरों में विशेष आराधना भक्तों द्वारा की जाएगी। राज राजेश्वरी महामाया देवी मंदिर समिति के अध्यक्ष व्यासनारायण तिवारी ने बताया कि रायपुर महामाया मंदिर में बागीश जी महाराज का 18 जनवरी को आएंगे, और 19 जनवरी को प्रवचन शुरू होगा। तांत्रिक सिद्धि और ज्योतिषी विद्या साधना के लिए गुप्त नवरात्रि का विशेष महत्व है।

मुख्यमंत्री ने हितग्राही के घर जाकर देखा पीएम सूर्यघर

छत पर लगे पैनल और घर के भीतर लगे तकनीकी उपकरणों को भी ली जानकारी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज सूरजपुर विकासखंड के सरना पारा, परी निवासी राजकुमारी द्विवेदी के निवास पर पहुँचकर पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत स्थापित सोलर सिस्टम का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने घर की छत पर लगाए गए सोलर पैनल एवं उससे जुड़ी तकनीकी व्यवस्थाओं की जानकारी ली और योजना के ज़मीनी क्रियान्वयन को नज़दीक से देखा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने श्रीमती द्विवेदी एवं उनके परिवारजनों से आत्मीय बातचीत की और योजना से प्राप्त हो रहे लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी ली। परिवारजनों ने बताया कि सोलर सिस्टम स्थापित होने के बाद बिजली की नियमित उपलब्धता सुनिश्चित हुई है और घरेलू बिजली खर्च में उल्लेखनीय कमी आई है, जिससे आर्थिक राहत मिली है।

मुख्यमंत्री ने सौर ऊर्जा के माध्यम से बिजली बिल में हो रही बचत, दैनिक उपयोग में सुविधा तथा ऊर्जा आत्मनिर्भरता के अनुभवों के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि यह योजना आम नागरिकों को न केवल आर्थिक रूप से सशक्त बना रही है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को भी बढ़ावा दे रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का उद्देश्य प्रत्येक पात्र परिवार को स्वच्छ, सस्ती और टिकाऊ ऊर्जा उपलब्ध कराना है। यह योजना बिजली पर निर्भरता को कम करने के साथ-साथ हरित ऊर्जा की दिशा में देश और राज्य को आगे बढ़ाने का एक सशक्त माध्यम है। सरकार चाहती है कि अधिक से अधिक परिवार इस योजना से जुड़ें और ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनें।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजना के क्रियान्वयन में गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि पात्र हितग्राहियों को बिना किसी कठिनाई के इसका लाभ मिल सके।

जनजातीय जीवनशैली चित्रकला स्पर्धा फरवरी में

रायपुर। राज्य स्तरीय जनजातीय चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन नवा रायपुर स्थित शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक सह जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय में 20 से 21 फरवरी तक किया जा रहा है। प्रतियोगिता का आयोजन आदिम जाति विकास विभाग एवं आदिमजाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान द्वारा आयोजित किया जाएगा। प्रतियोगिता का विषय जनजातीय जीवनशैली है, प्रतियोगिता का आयोजन सबेरे 10:00 से शाम 5:00 बजे तक होगा। प्रतियोगिता में प्रदेशभर से अनुसूचित जनजाति संवर्ग के प्रथम 150 पंजीकृत प्रतिभागियों को शामिल किया जायेगा। यह चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन के केनवास के माध्यम से किया जायेगा।

प्रकृति से जुड़ाव और सामूहिक आनंद से जुड़ा है कर्मा का पर्व : मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। कर्मा महोत्सव को छत्तीसगढ़ की समृद्ध जनजातीय संस्कृति और परंपरा का प्रतीक है। ऐसे आयोजन लोक पर्वों को सहेजने के साथ-साथ नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का कार्य करते हैं। कर्मा पर्व प्रकृति से जुड़ाव, आपसी भाईचारा और सामूहिक आनंद का उत्सव है। उक्त आशय के विचार मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सूरजपुर जिले के चुनगुड़ी में आयोजित कर्मा महोत्सव में व्यक्त किए।

मुख्यमंत्री ने इस मौके पर 172.51 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात दी। उन्होंने चुनगुड़ी के स्कूल मैदान को मिनी स्टेडियम के रूप में विकसित करने तथा नगर पंचायत भटगांव के विकास हेतु एक करोड़ रुपये की घोषणा की। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग की मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े और सांसद श्री चिंतामणि महाराज ने भी सम्बोधित किया।

परंपरा, संस्कृति और उल्लास से परिपूर्ण कर्मा महोत्सव में मांदर की थाप और घुंघरुओं की झंकार के बीच पूरा क्षेत्र कर्मा नृत्य की लय में थिरक उठा। सूरजपुर, सरगुजा, जशपुर, बलरामपुर, कोरिया एवं मनेंद्रगढ़ जिलों से आए 33 कर्मा दलों के लोक कलाकारों ने पारंपरिक वेशभूषा में कर्मा नृत्य प्रस्तुत कर सबको लोक संस्कृति के रंगों से भर दिया।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर लगायी गई प्रदर्शनी के स्टॉलों का निरीक्षण कर नाव-जाल एवं आइस बॉक्स, आयुष्मान कार्ड, छत्तीसगढ़ महिला कोष से ऋण वितरण और महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा संचालित छह रेडी-टू-ईट ईकाइयों का शुभारंभ किया और पोषण वितरण कार्य से जुड़ी महिलाओं को सम्मानित किया।

लाईवलीहुड कालेज में अस्थायी प्रशिक्षक इम्पैनल के लिए आवेदन आमंत्रित

रायगढ़। जिला परियोजना लाईवलीहुड कालेज, रायगढ़ द्वारा जिले में कौशल विकास को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। महाविद्यालय अंतर्गत सहायक इलेक्ट्रीशियन पाठ्यक्रम के संचालन हेतु पूर्णत: अस्थायी प्रशिक्षक इम्पैनल तैयार किए जाने के लिए आधिकारिक सूचना जारी की गई है। जारी सूचना के अनुसार, सहायक इलेक्ट्रीशियन पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं व्यावहारिक कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से योग्य और अनुभवी प्रशिक्षकों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। यह पैनल पूर्णत: अस्थायी आधार पर गठित किया जाएगा। इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी 23 जनवरी 2026 तक अपना आवेदन सीधे कार्यालय में जमा कर पावती प्राप्त कर सकते हैं। आवश्यक योग्यता, अनुभव एवं अन्य जानकारी कार्यालय के सूचना पटल पर उपलब्ध कराई गई है।

अनछुआ छत्तीसगढ़ (पर्यटन-2)

नेचर ट्रेल से मिलेगा पर्यटन को बढ़ावा

श्रीकंचनपथ समाचार

प्रदेश की दूसरी सबसे ऊंची चोटी है दलहा पहाड़

जांजगीर चांपा। प्रदेश की दूसरी व जिले की सबसे ऊंची चोटी दलहा पहाड़ को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। वन विभाग को इसके लिए 10 लाख रुपए की स्वीकृति मिली है। लगभग 700 मीटर ऊंचे इस पहाड़ पर नेचर ट्रेल बनेगा. दलहा पहाड़ पर प्रतिवर्ष ट्रेकिंग और रॉक क्लाइंबिग के शौकीन पहुंचते हैं. धार्मिक मान्यताओं के चलते भी यहां साल में दो बार भारी संख्या में लोग पहुंचते हैं। दलहा पहाड़ को सिन्दूरगिरि भी कहा जाता हैष

दलहा पहाड़ जांजगीर चांपा जिले अकलतरा तहसील में दलहापोंडी नामक गांव में स्थित है। घने जंगलों से गुजरने के बाद यहां लगभग चार किलोमीटर की खड़ी चढ़ाई है जो आपको चोटी तक लेकर जाती है। यहां से चारों तरफ के मनोरम दृश्य का नजारा किया जा सकता है। पहाड़ पर मुनि का आश्रम और सूर्य-कुंड तथा पवन-कुंड विशेष प्रसिद्ध है। मान्यता है कि महाशिवरात्रि और नागपंचमी के दिन इन कुंडों का पानी पीने से कई तरह की बीमारियां ठीक हो जाती हैं। इन कुंडों में साल भर पानी रहता है।

पहाड़ पर चारों दिशाओं से चढ़ाई की जा सकती है। पहाड़ के चारों तरफकोटगढ़, पचरी, पंडरिया व पोड़ी गांव हैं। पहाड़ी तक पहुंचने के लिए घने जंगलों से गुजरना पड़ता है। कंटीले पौधे और पथरीली राह इस यात्रा को दुर्गम बनाते हैं।

महाशिवरात्रि और नागपंचमी के अलावा यहां पर अघन शुक्ल के दिन भी बहुत अच्छा माहौल होता है। इस दिन यहां हवन किया जाता है और आश्रम परिसर में 100 मीटर से भी लंबा झंडा फहराया जाता है।

गुरू घासीदास जी ने यहीं की थी तपस्या

मान्यता है कि सतनामी समाज के गुरू घासीदासजी ने यहीं पर तपस्या की थी और दलहापोंडी में ही अपना अंतिम उपदेश दिया था। कहते हैं कि दलहा पहाड़ पर दलहा बाबा आज भी विराजमान हैं। पहाड़ के नीचे एवं चारों तरफ अनेक मंदिर हैं। अर्धनारीश्वर, सिद्धमुनि आश्रम, नाग-नागिन मंदिर, श्री कृष्ण मंदिर आदि प्रसिद्ध हैं।

ज्वालामुखी से उभर आया दलहा पहाड़

भूगर्भशास्त्रियों का मानना है कि दलहा पहाड़ भूगार्भिक क्रिया अर्थात ज्वालमुखी उद्गार से निर्मित हुआ है। जांजगीर चांपा क्षेत्र पठारीय इलाका है और यहां चूना पत्थर भारी मात्रा में मिलते हैं. दलहा पहाड़ की चट्टानें चूना पत्थर की ही हैं।

चतुर्भुज मैदान और रहस्यमय गुफा

चतुर्भुज मैदान भी एक आकर्षण है। यहां एक रहस्यमयी गुफा भी है जिसका अंतिम छोर अज्ञात है।

10 में से 8 कुंडों के ही दर्शन हो पाते हैं संभव

जनश्रुति के अनुसार पहाड़ पर 10 कुंड थे पर फिलहाल 8 कुंडों के ही यहां दर्शन हो पाते हैं। किसी समय में यहाँ दो तालाब हुआ करता था जिसमे से वर्तमान समय लोगों को एक ही दिखाई देती है। यहां मुनि जी का आश्रम भी था।

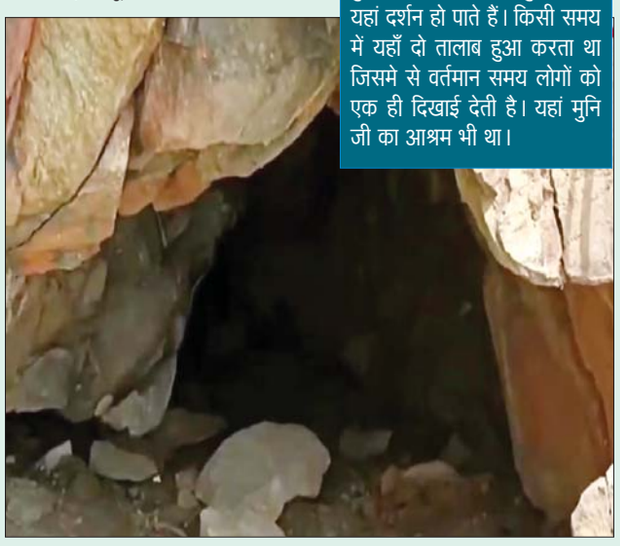

अध्ययन भ्रमण से ग्रामीण विकास को मिलेगी नई दिशा

बस्तर संभाग के पंचायत प्रतिनिधि राष्ट्रीय ग्राम स्वराज की अध्ययन यात्रा पर महाराष्ट्र रवाना, साय ने दी शुभकामनाएं

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज मुख्यमंत्री निवास से राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के अंतर्गत बस्तर संभाग के जिला पंचायतों के निर्वाचित प्रतिनिधियों के दल को प्रशिक्षण सह अध्ययन भ्रमण के लिए रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने सभी पंचायत प्रतिनिधियों को सकुशल एवं सफल यात्रा के लिए शुभकामनाएँ दीं तथा दो बसों को हरी झंडी दिखाकर दल को रवाना किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इस अध्ययन भ्रमण के माध्यम से पंचायत प्रतिनिधियों को अन्य राज्यों की बेहतर कार्यप्रणालियों (बेस्ट प्रैक्टिसेज) की जानकारी प्राप्त होगी, जिसका सीधा लाभ छत्तीसगढ़ के ग्रामीण विकास को मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह यात्रा बहुउद्देशीय है, जिसमें सांस्कृतिक आदान-प्रदान, संवाद, विचार-विमर्श, पंचायत प्रतिनिधियों के दायित्वों, नवाचारों तथा ग्रामीण विकास से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियों का आदान-प्रदान किया जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रतिनिधियों से कहा कि वे छत्तीसगढ़ और विशेष रूप से बस्तर की पहचान के रूप में राज्य के पर्यटन, संस्कृति, जनहितैषी एवं विकासमूलक योजनाओं, सुशासन (गुड गवर्नेंस) तथा पारदर्शी शासन व्यवस्था के बारे में भी अन्य राज्यों के प्रतिनिधियों से जानकारी साझा करें।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने भी सभी पंचायत प्रतिनिधियों को एक्सपोजर विजिट के लिए शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि इस प्रकार के अध्ययन भ्रमण से राज्य की पंचायत राज व्यवस्था को और अधिक सशक्त, प्रगतिशील एवं विकासोन्मुख बनाने में सहायता मिलेगी।

उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के पंचायती राज मंत्रालय द्वारा संचालित राष्ट्रीय ग्राम स्वराज योजना के अंतर्गत बस्तर संभाग के जिला पंचायतों के निर्वाचित प्रतिनिधियों को महाराष्ट्र राज्य की पंचायत राज व्यवस्था का अध्ययन कराने के लिए 18 से 23 जनवरी 2025 तक मुंबई भेजा जा रहा है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950